शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

षष्टम कात्यायनी

आज मां भगवती के छठे स्वरूप कात्यायनी की पूजा-अर्चना होगी। माता ने अपने इस पुत्री स्वरूप से पिता के कुल की रक्षा का संदेश दिया है। कात्यायन ऋषि ने तपकर देवी से वरदान मांगा कि आप पुत्री रूप में मेरे कुल में जन्म लें। देवी ने कात्यायन ऋषि की प्रसन्नता के लिए अपना अजन्मा स्वरूप त्याग कर पुत्री रूप में जन्म लिया। सामान्यत: पुत्री का गोत्र पति के गोत्र से चलता है, लेकिन यहां देवी सदा-सर्वदा के लिए पिता के गोत्र से जुड़ गई। इसी कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ा। इस रात्रि जागरण और जप करने से साधक को सहज ही माता कात्यायनी की कृपा का लाभ मिलता है। नवरात्र की षष्ठी माता सरस्वती को समर्पित है।

वर्ष : 26 | अंक : 287 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

हरियाणा में बाजी पलटी, जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस की वापसी

बीजेपी ने मनाना शुरू किया जश्न, धर्मेन्द्र प्रधान ने खट्टर से की मुलाकात

हरियाणा - 90 सीटें | **बहुमत - 46**

बीजेपी	कांग्रेस	INLD	अन्य
49	35	02	04

जम्मू-कश्मीर - 90 सीटें | **बहुमत - 48**

कांग्रेस	PDP	बीजेपी	AIP	अन्य
52	02	27	01	08

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों ने हरियाणा में हैरान कर दिया है। यहां बाजी पलट गई है। एग्जिट पोल में जहां हरियाणा में कांग्रेस को जीतते हुए बताया गया था। वहीं अब हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे को लेकर आ रहे रूझानों में भारतीय जनता पार्टी आगे चल रही है। भाजपा यहां हैट्रिक लगाते हुए दिख रही है। वहीं जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस की वापसी हो रही है। यहां कांग्रेस व उसके सहयोगी दल आगे चल रहे हैं। हरियाणा में ताजा रुझानों के अनुसार भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने के लिए तैयार है। 12:30 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा 49 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं कांग्रेस 35 सीटों पर और इनेलो प्लस 2 सीटों पर आगे है। हरियाणा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है। हरियाणा में भाजपा के प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटटर से मुलाकात की है।

हरियाणा विधानसभा की 90 विधानसभा सीटों के लिए बीते 5 अक्टूबर को मतदान हुआ था। मंगलवार सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हो गई है। हरियाणा की 90 सीटों के लिए 464 निर्दलीय और 101 महिलाओं सहित कुल 1,031 उम्मीदवार मैदान में हैं। हरियाणा में हुए चुनावों में आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस की विनेश फोगाट की किस्मत का फैसला होगा।

चुनाव आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक हरियाणा की जुलाना सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी व रेसलर विनेश फोगाट 6050 वोटो से आगे चल रही हैं। हरियाणा के रोहतक की 4 सीटों पर कांग्रेस आगे है। झज्जर में 4 सीटों में से 3 सीटों पर कांग्रेस व एक पर निर्दलीय आगे है। करनाल की 5 सीटों पर भाजपा आगे है। वहीं फरीदाबाद की 6 में से 5 सीटों पर भाजपा आगे है। हरियाणा के पंचकुला से कांग्रेस प्रत्याशी चंद्रमोहन पीछे चल रहे हैं। जबकि लाड़वा सीट से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायक सिंह सैनी आगे चल रहे हैं। अंबाला कैंट से भाजपा प्रत्याशी अनिल विज पीछे चल रहे हैं। वहीं उचानाकलां से जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला पीछे चल रहे हैं। इसके अलावा एलनाबाद से अभय सिंह चौटाला भी पीछे चल रहे हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा गढ़ी सांपलाकिलोई से आगे चल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। शुरुआती रुझानों में हरियाणा में भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इस तरह हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक लगने की उम्मीद बन गई है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

आंकड़ों से हो रहा है खेल : पवन खेड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि चैनल अपने रिपोर्टर के आंकड़े नहीं बल्कि चुनाव आयोग के आंकड़े दिखा रहे हैं और चुनाव आयोग के आंकड़े 4 या 5वें राउंड के हैं, जबकि हमारे कंट्रोल रूम से 11/12 राउंड के आंकड़े आ चुके हैं। 4 राउंड के बाद विनेश फोगाट को पीछे दिखाया गया लेकिन 9 राउंड के बाद वो 5200 वोटों से आगे हैं। आंकड़ों में इस अंतर को लेकर हमारे महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर चुनाव आयोग से पूछा है कि स्थानीय प्रशासन पर दबाव बनाने की ये क्या कोशिश है? हम चुनाव आयोग से इस पर तुरंत कार्रवाई करने और रुझानों को अपडेट करने की मांग कर रहे हैं।

पिकअप के हेल्पर की दुर्घटना में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के चार मूर्ति गोल चक्कर के पास बुलेरो पिकअप का डाला लग रहे एक व्यक्ति को वैगन आर कार ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल हुए उक्त व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मूल रूप से जनपद लखीमपुर निवासी खुशीराम बुलेरो पिकअप पर हेल्पर के रूप में कार्यरत था। 29 सितंबर को खुशीराम बुलेरो पिकअप के चालक तिलकवीर के साथ किसी काम से नोएडा आया था। नोएडा से वह वापस ग्रेटर नोएडा आ रहे थे। चार मूर्ति गोल चक्कर के पास अचानक बुलेरो पिकअप का पीछे का डाला खुल गया। इसके बाद चालक तिलकवीर ने गाड़ी साइड किनारे खड़ी कर दी और खुशीराम को डाला बंद करने के लिए भेज दिया खुशीराम बोलोरो पिकअप कर डाला बंद कर रहा था। इस दौरान पीछे से तेज गति में आ रही वेगनर कार का चालक नियंत्रण खो **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

इंस्टाग्राम की सर्विस डाउन, यूजर्स परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंस्टाग्राम की सर्विस मंगलवार को अचानक डाउन हो गईं। इसके बाद बहुत से यूजर्स इसकी सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाएं। इस दौरान सोशल मीडिया और वेबसाइट्स आदि को ट्रैक करने वाली वेबसाइट Downdetector पर कई लोगों ने रिपोर्ट की। सुबह 11:30 के आसपास इस आउटेज की शुरुआत हुई। Downdetector पर करीब 1 हजार यूजर्स ने रिपोर्ट की और कुछ ही मिनट में यह संख्या 2 हजार के पास पहुंच गई।

इस दौरान उन्होंने बताया कि Instagram को चलाने में परेशानी आ रही है। इसको लेकर प्लेटफॉर्म (पुराना नाम Twitter) पर Insatagram Down को लेकर कई लोगों ने पोस्ट शेयर भी किए।

Instagram एक पॉपुलर प्लेटफॉर्म है। इस पर बहुत से यूजर्स फोटो और वीडियो आदि शेयर करते हैं. इस प्लेटफॉर्म पर Instagram Reels भी काफी पॉपुलर है। युवाओं में यह प्लेटफॉर्म काफी चर्चित है, यहां यूजर्स मैसेज आदि भी भेज सकते हैं। यहां कई सेलिब्रिटी भी मौजूद हैं, इसकी मदद से यूजर्स अपने फेवरेट सेलिब्रिटी और स्टार की लाइफस्टाइल और पसंद आदि के बारे में जान सकते हैं।

कैब लूटने वाले बदमाशों से मुठभेड़, तीन को लगी गोली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के खोदना-खुर्द इलाके में कल एक कैब चालक से मारपीट कर उसकी कैब व मोबाइल फोन लूटने वाले बदमाशों की आज सुबह पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान तीन बदमाशों को पैर में गोली लगी है। तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस द्वारा देवला कट पर चैकिंग की जा रही थी तभी सामने से स्विफ्ट कार नम्बर यूपी-82 एटी-8592 आती हुयी दिखाई दी जिसे पुलिस द्वारा रूकने का इशारा किया गया, पुलिस को देखकर कार सवार पक्षी विहार देवला की और भागने लगे।

पुलिस द्वारा पीछा करने पर कार सवार व्यक्तियों द्वारा पुलिस पर फायरिंग की जाने लगी। जवाबी कार्यवाही में तीन **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

युवक पर पड़ोसियों ने बोला हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला में पड़ोस में रहने वाले चार लोगों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। छपरौला एंक्लेव निवासी अमन गौतम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 6 अक्टूबर की रात्रि को उसका बड़ा भाई गगन गौतम घर आ रहा था। रास्ते में उसे हिमांशु, महेश, प्रदीप, ऋषभ प्रजापति आदि ने घेर लिया और गाली गलौज शुरू कर दी। उसके भाई ने जब इस बात की विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट में गगन गौतम घायल हो गया जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

चिप्स बदलने को लेकर झगड़ा, महिला के कपड़े फाड़े

नोएडा (चेतना मंच)। दुकान पर चिप्स बदलकर कुरकुरे लेने गई महिला के साथ दुकानदार ने जमकर अभद्रता की। महिला का आरोप है कि दुकानदार व उसके परिजनों ने मारपीट के दौरान उसके कपड़े तक फाड़ दिए। मौके पर मौजूद दुकानदार के दोस्तों ने उस पर तमंचा व चाकू तानकर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर थाना सेक्टर-63 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। छिजारसी कॉलोनी में रहने वाली मीनाक्षी (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका बेटा पड़ोस में दुकान चलाने वाले विवेक के यहां से चिप्स खरीद कर आया था। कुछ देर बाद जब वह चिप्स के पैकेट को वापस कर कुरकुरे लेने के लिए विवेक की दुकान पर गई तो वह अभद्रता करने लगा। उसने जब इस बात का विरोध किया तो विवेक व उसकी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

घरेलू गैस का अवैध कारोबार करने वाले गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने घरेलू गैस का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने घरेलू गैस की अवैध बिक्री करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और दो अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से 41 घरेलू व 5 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद हुए हैं। पकड़ा गया आरोपी घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस रिफिलिंग तथा उन्हें ब्लैक में बेचने का काम करता था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि नया हैबतपुर ग्राम निवासी वीरेंद्र पुत्र राजवीर घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करता है। वीरेंद्र घरेलू गैस सिलेंडरों को खरीद कर उन्हें ब्लैक में जरूरतमंदों को बेचता है। इसके अलावा वह बड़े गैस सिलेंडरों से छोटे सिलेंडर में भी अवैध रूप **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

महिला से फोन पर की गाली-गलौज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख में एक महिला ने अपने ननदोई व उसके भतीजे के खिलाफ फोन पर गाली-गलौज करने तथा धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसका ननदोई उन पर केस वापस लाने का दबाव बना रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एवेन्यू गौर सिटी में रहने वाली कोमल (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी ननद का अपने पति विनीत शर्मा से पारिवारिक विवाद चल रहा है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इस मामले में वह **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

युवक से मोबाइल फोन लूटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने एक युवक से मोबाइल फोन लूट लिया। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। मूल रूप से जनपद अमेठी का रहने वाला मोहम्मद सलमान हाल में डेरिन गांव में किराए पर रह रहा है। 3 अक्टूबर को वह सुत्याना गांव के पास से पैदल जा रहा था। इस दौरान उसे पल्सर बाइक सवार दो बदमाशों ने रोक लिया। दोनों बदमाशों ने उसके साथ छीनाझपटी शुरू कर दी। उसने जब बदमाशों का विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दहेज लोभियों ने बहु से की मारपीट, हुआ गर्भपात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख में एक महिला ने अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए उत्पीड़न करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके सास, ससुर व ननद ने मायके से क्रेटा कार व 50 लाख रुपए ना लाने पर उसके साथ मारपीट की जिस कारण उसका गर्भपात हो गया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाली प्रीति (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी न्यू शिवपुरी हापुड़ निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर शुभम तिवारी के साथ वर्ष 2020

में हुई थी। शादी के समय उसके पिता ने अपनी हैसियत अनुसार दान दहेज दिया था लेकिन इससे शुभम तिवारी व उसके परिजन संतुष्ट नहीं थे। शादी होने के बाद जब वह ससुराल पहुंची तो उसके पति व उसके परिजनों का व्यवहार उसके साथ ठीक नहीं रहा। शुभम तिवारी व उसके माता-पिता उसे कम दहेज लाने का ताना देने लगे। ससुराल वालों की प्रताड़ना से त्रस्त होकर वह नोएडा के सेक्टर-74 में किराए के मकान में रहने लगी। बैंक की नौकरी कर वह किसी तरह अपना भरण पोषण करने लगी। उसके बावजूद भी उसके पति तथा सास ससुर के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। शुभम तिवारी व उसके माता-पिता उस पर मायके से क्रेटा कार व 50 लाख रुपए लाने के लिए दवाब बनाने लगे। पति व उसके परिजनों के दबाव के कारण उसे अपनी बैंक की नौकरी भी छोड़नी पड़ी। वर्ष 2021 में उसके साथ मारपीट की गई जिसके बाद वह अपने मायके चली आई। प्रीति के मुताबिक **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कमरे से तीन लैपटॉप चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के वाजिदपुर गांव में किराए पर रहने वाली एक युवती के घर से चोरों ने तीन लैपटॉप चोरी कर लिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मूल रूप से आगरा की रहने वाली मंजू (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में वाजिदपुर गांव की गली नंबर 13 स्थित बनवारी सदन में रह रही है। 5 अक्टूबर की सुबह वह किसी काम से कुछ देर के लिए अपने कमरे से बाहर गई थी। थोड़ी देर बाद जब वह वापस कमरे पर लौटी तो उसे **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरु
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

बदली पहचान

वह भीख के माहौल में पैदा हुई, लेकिन चलने के लिए एक समाज सेवी संस्था का सहारा मिला तो आंखों में चमक और भविष्य का रास्ता दिखाई दिया। कल तक जिन हाथों में भीख का कटोरा था, आज स्टैथोस्कोप के साथ वह डाक्टरी पेशे की पहचान बन चुकी है। इस अद्भुत सफलता की कहानी की किरदार है डा. पिंकी हरयान। धर्मशाला की झुग्गी-झोंपड़ी से चीन के मेडिकल कालेज से मेडिकल की पढ़ाई करके लौटी एक बेटी। उसने अपनी भूख को भविष्य बना लिया, अपने ही कदमों पर मानवता को चला लिया। यह एक ऐसी कहानी है जिसके सबक व्यक्तिगत हैं और सामाजिक भी। इससे राष्ट्रीय नीतियां, कार्यक्रम और परिवेश की हकीकत सामने आ जाती है। 'वहां कितने आईने हर लम्हे टूटे होंगे, जहां तेरी तस्वीर मुकम्मल हुई होगी।' आज भीख के दानों को भी गुरूर आया होगा, सामने जब डा. पिंकी का सफर आया होगा। वो चली तो मकलोडगंज की गलियों में हाथ फैलाए मांगने, लेकिन टोंगलेन चैरिटेबल ट्रस्ट ने उसे जीवन के साथ चलना सिखा दिया। साढ़े चार साल की बच्ची को बीस साल के सफर ने धर्मशाला की झोंपड़ी से चिकित्सा जगत की पायदान तक पहुंचा दिया। यह महज इत्तफाक नहीं, श्रम नहीं, रिकार्ड नहीं, बल्कि जीने का दीपक जलाने का प्रयास है। पिंकी के जीवन के अंधेरे आज भी देश की झुग्गी-झोंपडियों में आबाद हैं, लेकिन न वहां कोई 'टोंगलेन' जैसी संस्था पहुंची और न ही वहां के सपने बदले। पिंकी और डा. पिंकी के बीच सपनों की बुनियाद, आगे बढने की इच्छाशक्ति और जीवन को पढने-गढने की प्रतिज्ञा ने पिछले दो दशकों के सारे इम्तिहान और परिणाम सामने ला दिए। यूं तो यही काम आजादी के बाद से जारी है। सरकारों के लक्ष्य हमेशा तपते सूरज के नीचे उत्थान की रोशनी और समाज की बेडियों के समक्ष, कई विकल्प-कई समाधान लिए खड़े हैं, लेकिन जहां प्रयत्न गैर सरकारी मंच पर अनुकरणीय हो जाएं, वहां दिशाएं बदलती हैं। एक अकल्पनीय शक्ति ने पेट भरने की मजबूरी को आगे बढने की लालसा में बदल दिया। देश अस्सी करोड़ लोगों की भूख मिटाने के लिए मुफ्त राशन दे रहा है, लेकिन क्या वहां पिंकी को उसके मुकाम के सपने मिल जाएंगे। क्या पिंकी के सपने साधारण, सामाजिक व राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में संभव हैं। क्या सरकारी स्कूल के हर बच्चे को हम पिंकी बनाने का रास्ता दिखा रहे हैं। टोंगलेन ने यह अंतर पैदा किया। संस्था ने झुग्गी को तमाम व्यसनों से दूर महकना सिखाया, नतीजतन एक छोटा सा पिंकी नाम का दीया अब सूरज की तरह प्रकाशमान है। ऐसी कहानियां और भी होंगी और असाधारण सफलताओं के उदाहरण कम नहीं, लेकिन यहां किरदार हमसे सवाल पूछ रहा है। दिशा के हालात से पूछ रहा है कि हम ऐसे परिदृश्यों में झांकते क्यों नहीं और हमारी नीतियों की गूंज के बावजूद, विश्व की सबसे बड़ी झोंपड़पट्टी धारावी में देश क्यों आज भी मजबूर-अपाहिज खड़ा है। भारत में टोंगलेन चैरिटेबल ट्रस्ट के संचालक जामयांग ने साबित कर दिया कि गरीबी और भूख के बीच से भी मोती चुने जा सकते हैं। जरूरी है बच्चों के मानसिक बदलाव व संघर्ष के बीच कुछ हासिल करने की उत्कंठा। यह देश की उपलब्धियों में भी दिखाई देती है, लेकिन वहां दरवाजे अलग-अलग हैं। समाज के भीतर कितने ही समाज और देश के भीतर कितने ही देश आज भी विभाजित हैं। आज भी राष्ट्रीय स्तर की चयन परीक्षाओं तक पहुंचने के लिए उस सशक्त समाज की परवरिश जारी है, जो कल भी सामर्थ्य रखता था और आज भी आर्थिक क्षमता की मचान है। राष्ट्रीय अवसरों में देश के महत्त्वपूर्ण पद, उद्देश्य और संभावनाएं आज भी समाज के एक बड़े वर्ग को बौना बनाए हुए हैं। आज भी जातीय मतगणना के शोर शराबे में सियासी फलसफे लिखे जा रहे हैं, लेकिन जब भीख मांगती पिंकी का हाथ गुरु जामयांग ने पकड़ा, तो न उसकी जाति और न ही धर्म पूछा गया। उसे कोई आरक्षण नहीं दिया गया, बल्कि आंखों में सपनों का सुरमा डाल दिया गया और जिसकी बदौलत वह अब डाक्टर पिंकी हरयान बन गई। क्या हमारी सार्वजनिक और सामाजिक व्यवस्था में ऐसी क्षमता है कि हमें करोड़ों भारतीयों की नासूर बनी जिंदगी को फूल सी जिंदगी के मंतव्य से जोड़ दें।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सतीजी के हृदय की ग्लानि कुछ कही नहीं जाती। बुद्धिमती सतीजी ने मन में श्री रामचन्द्रजी का स्मरण किया और कहा-हे प्रभो! यदि आप दीनदयालु कहलाते हैं और वेदों ने आपका यह यश गाया है कि आप दुःख को हरने वाले हैं, ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तौ मैं बिनय करउँ कर जोरी। छूटउ बेगि देह यह मोरी॥
जौं मोरें सिव चरन सनेहू। मन क्रम बचन सत्य ब्रतु एहू॥

तो मैं हाथ जोड़कर विनती करती हूँ कि मेरी यह देह जल्दी छूट जाए। यदि मेरा शिवजी के चरणों में प्रेम है और मेरा यह (प्रेम का) व्रत मन, वचन और कर्म (आचरण) से सत्य है, ॥

दो0-तौ सबदरसी सुनिअ प्रभु करउ सो बेगि उपाइ।
होइ मरनु जेहिं बिनहिं श्रम दुसह बिपत्ति बिहाइ॥

तो हे सर्वदर्शी प्रभो! सुनिए और शीघ्र वह उपाय कीजिए, जिससे मेरा मरण हो और बिना ही परिश्रम यह (पति-परित्याग रूपी) असह्य विपत्ति दूर हो जाए॥

एहि बिधि दुखित प्रजेसकुमारी। अकथनीय दारुन दुखु भारी॥
बीतें संबत सहस सतासी। तजी समाधि संभु अबिनासी॥

दक्षसुता सतीजी इस प्रकार बहुत दुःखित थीं, उनको इतना दारुण दुःख था कि जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता। सत्तासी हजार वर्ष बीत जाने पर अविनाशी शिवजी ने समाधि खोली॥

(क्रमशः..)

पशु भी चाहते हैं आजादी और प्रेमपूर्ण व्यवहार

बढ़ती जनसंख्या और घटती वन-संपदा ने जिन कुछ प्रमुख समस्याओं को जन्म दिया या बढ़ाया है, उनमें सर्वाधिक चिंतनीय और घातक समस्या वन्य पशुओं का लगातार बढ़ता हुआ आतंक है। उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बहराइच का प्रकरण सामने है, जहां मार्च 2024 में शुरू हुए भेड़ियों के खूनी हमलों के सर्वाधिक शिकार इलाके के छोटे-छोटे बच्चे हुए। इन हमलों में अब तक लगभग 10 बच्चों समेत कम-से-कम एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दुर्भाग्य से घायलों में भी अधिकतर बच्चे ही हैं। वैसे देखा जाए तो भेड़िए ही नहीं, बल्कि हाथी, शेर, सियार, तेंदुआ, चीता, भेड़िया, भालू और बाघ जैसे बेहद खूंखार और भयावह वन्य पशुओं का मानव बस्तियों में अतिक्रमण और उनके द्वारा मनुष्यों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर हमले किए जाने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बाघों, भालुओं, तेंदुओं और जंगली हाथियों, मध्य प्रदेश में सियारों एवं पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जंगली हाथियों के हमले मनुष्यों कोई नई बात नहीं है। निर्विवाद रूप से ये घटनाएं अत्यंत दुरूखद और भयावह हैं। इसलिए लोगों का आक्रोशित होना उचित है, लेकिन प्रश्न है कि आखिर जंगल में आजाद विचरण करने, छोटे वन्य पशुओं का शिकार कर अपना तथा परिवार का भरण-पोषण करने और सामान्यतः अपने परिवार के साथ जीवन यापन करने वाले ये भेड़िए इतने खूंखार क्यों हो गए कि हमारे छोटे-छोटे मासूम बच्चों को मारकर खाने लगे।

दरअसल, देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब (08 अरब साढ़े 17 करोड़) से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। पेड़ों की इस अंधाधुंध कटाई की भरपाई किए जाने का एक ही तरीका हो सकता है और वह है तीव्र गति से नए पौधों का रोपण और उनकी देखभाल करना यानी जितने पेड़ प्रत्येक वर्ष काटे जा रहे हैं, कम-से-कम उतने पौधे भी दुनिया भर में लगाए जाएं। हालांकि उन पौधों के पेड़ बनने में कई वर्ष लग जाते हैं। इसलिए वास्तव में पौधरोपण की जो वर्तमान दर और गति है, उससे लगातार नष्ट किए जा रहे जंगलों के एवज में नए जंगल उगा पाना संभव नहीं है। तात्पर्य यह कि पौधरोपण वन्य पशुओं के प्राकृतिक रहवास और पर्यावरण दोनों को बचाने का सर्वश्रेष्ठ विकल्प तो अवश्य है, किंतु इस कार्य में पूर्ण रूप से सफलता प्राप्त करने के लिए पौधरोपण की गति को हमें इस हद तक बढ़ाना होगा कि जितने वृक्ष प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में काटे जाते हैं, कम-से-कम उससे डेढ़ गुना तक पौधे तो अवश्य ही लगाए जाएं, जबकि प्रत्येक वर्ष 18 अरब काटे जाने वाले वृक्षों की तुलना में आज दुनिया भर में मात्र पांच अरब पौधे ही लगाए जा रहे हैं। जाहिर है कि इस प्रकार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की भरपाई संभव नहीं होगी।

देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब (08 अरब साढ़े 17 करोड़) से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है।

यह विडंबना ही है कि भारत में भी वृक्षों की अंधाधुंध कटाई जारी है। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने 21 मार्च 2022 को बताया था कि वर्ष 2020-21 के दौरान भारत में सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण और विकास के लिए लगभग 31 लाख पेड़ काट दिए गए। वन (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत काटे गए पेड़ों के बदले में प्रतिपूरक वनीकरण की योजना चलाकर मोदी सरकार ने 359 करोड़ रुपये की लागत से 3.6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए, जो नाकाफी प्रतीत होते हैं, क्योंकि फिलहाल इससे संबंधित कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि उनमें से कितने पौधे बचाए गए और कितने नष्ट होने के लिए छोड़ दिए गए। बहरहाल, वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण दिनोंदिन वन्य पशुओं का प्राकृतिक रहवास सिकुड़ता जा रहा है, इससे इनके लिए भोजन-पानी की बहुत बड़ी समस्या पैदा हो गई है। इसीलिए वन्य पशु भोजन-पानी की तलाश में मानव बस्तियों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हुए हैं। वैसे भेड़ियों की बात करें तो ये स्वभाव से खूंखार तो होते हैं, परंतु सारे भेड़िए आदमखोर नहीं होते। हालांकि प्रतिशोध लेने में ये अत्यंत माहिर होते हैं। इसलिए यदि इनको या इनके परिवार के सदस्यों को क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जाए तो ये कतई सहन नहीं करते और अपने शत्रुओं से चुन-चुनकर बदला लेते हैं।

ऐसे कुछ उदाहरण दुनिया में मौजूद हैं, जिनमें भेड़ियों अथवा उनके बच्चों को मनुष्यों के द्वारा क्षति पहुंचाए जाने के बाद ये खूंखार हो गए और जब तक अपना बदला पूरा नहीं कर लिया, तब तक इनकी आक्रामकता कम नहीं हुई। आज से लगभग 25 वर्ष पूर्व ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के जौनपुर और प्रतापगढ़ जिलों में सई नदी के कछार पर घटी थी, जिसमें भेड़ियों के हमलों में इलाके के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। उस समय पड़ताल करने पर यह पता चला था कि कुछ इंसानी बच्चों ने भेड़ियों की एक मांद में घुसकर उनके दो बच्चों को मार डाला था, जिसके प्रतिशोध स्वरूप भेड़ियों ने जोरदार हमले कर मनुष्यों के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों को मौत के घाट उतार दिया था। उस दौरान वन विभाग के द्वारा चलाए गए भेड़ियों के धर-पकड़ अभियान में कुछ भेड़िए पकड़े भी गए थे, लेकिन उनके बीच में मौजूद आदमखोर जोड़ा हमेशा बचता रहा और बदला लेने के मिशन में लगातार कामयाब भी होता गया। हालांकि बाद में आदमखोर भेड़ियों को वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा गोली मार दी गई और अंततरू भेड़ियों का खूनी आतंक खत्म हो पाया था। गौर करें तो इस बार भी बहराइच की घटनाओं में भेड़ियों का वही व्यवहार... वही पैटर्न सफल होता हुआ प्रतीत हो रहा है। सबसे बड़े दुरूख की बात तो यह है कि एक बार फिर इन भेड़ियों की जान खतरे में आ गई है, क्योंकि शासन-प्रशासन की ओर से बेकाबू हो चुके इन आदमखोर भेड़ियों को गोली मार देने का आदेश दे दिया गया है।

वैसे भेड़ियों के विरूद्ध की जाने वाली सरकारी कार्रवाइयों पर गौर करें तो उनके जीवन का सर्वाधिक स्याह पक्ष अंग्रेजों के समय का है, जब ब्रिटिश सरकार की ओर से भेड़ियों को मारने का बड़ा अभियान चलाकर 40 सालों में एक लाख से भी अधिक भेड़ियों को शिकारियों ने मार डाला था और ब्रिटिश राज की तरफ से ईनाम भी प्राप्त किया था। देखा जाए तो मनुष्य और वन्य पशुओं के बीच जारी संघर्षों का यह सिलसिला बेहद गंभीर और चिंताजनक है। इसलिए समय रहते इसका हल ढूंढना जरूरी है। अन्यथा यह समस्या अत्यंत विकराल रूप भी ले सकती है। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें वन्य प्राणी विशेषज्ञों की सलाह लेकर वन्य पशुओं के प्राकृतिक आवासों को संरक्षित करने तथा बड़े स्तर पर वनीकरण अभियान चलाकर वनों के विकास करने की दिशा में कुछ ठोस और सकारात्मक कदम उठाएं, ताकि हमारे वन्य साथी आजादी से अपने घरों में बेफिक्र होकर रह सकें। संभव है कि इन प्रयासों के फलीभूत होने में कई वर्ष लग जाएं, लेकिन इस दौरान एक कार्य किया जा सकता है, वह है इन वन्य प्राणियों के साथ प्रेमपूर्ण आचार और व्यवहार करना। इसमें कोई संदेह नहीं कि यदि इन वन्य पशुओं के विरूद्ध क्रूरता के बदले में दया का भाव दर्शाया जाए और इनको लाड़-प्यार दिया जाए तो मनुष्यों के प्रति इनके हिंस्र व्यवहारों में भी परिवर्तन आ सकता है।

-चेतनादित्य आलोक

इजरायल के विवाद में ईरान

इजराइल को लेकर फिलिस्तीन, लेबनान और बेरूत में विवाद चलता रहता है। एशिया में यहूदियों की भूमि पर जब ईसाई मजहब और इस्लाम मजहब ने आकार ग्रहण करना शुरू किया तो हालात ऐसे बने कि यहूदियों को अपने देश से भागना पड़ा। जिसको जहां भी आश्रय मिला, वह उसी देश में जाकर बस गया। बहुत से यहूदी हिंदुस्तान में आकर भी बस गए। लेकिन देखते-देखते पूरा यूरोप अपने पूर्वजों के रास्ते को छोड़ कर ईसाई मजहब के नए रास्ते पर चल पड़ा। बाद में एशिया में उसी क्षेत्र में जहां ईसाई मत पैदा हुआ था, इस्लाम पंथ का उदय हुआ। इस नए मत में दीक्षित हुए अरबों और तुर्कों ने एशिया/जम्बू द्वीप के देशों को तो पकड़ा ही, लेकिन इसके साथ ही उसने अफ्रीका और यूरोप के देशों में भी ईसाई मजहब को अपदस्थ करने के लिए युद्ध छेड़ दिया। इन संघर्षों का सबसे ज्यादा नुकसान यहूदियों को ही भुगतना पड़ा। उनका देश खत्म हो गया, लेकिन इसके साथ ही यहूदियों को यूरोप में भी ईसाइयों के प्रहारों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन विश्व युद्धों ने एक बार फिर दुनिया का राजनीतिक नक्शा बदल दिया। नए नक्शे में यहूदियों को एक बार फिर से उनका परम्परागत देश वापस मिल गया। दुनिया के नक्शे पर फिर से इजरायल दिखाई देने लगा। दुनिया भर में बिखरे यहूदी अलग-अलग देशों से आकर इजरायल में बसने लगे।

जाहिर है अब यहूदियों के लिए पवित्र इस क्षेत्र का कुछ हिस्सा उन फिलिस्तीनी, लेबनानी या दूसरे लोगों को छोडना पड़ा जो इस लम्बे कालखंड में यहां बस गए थे। इतना ही नहीं, इस कालखंड में यहां बस गए लोगों ने इस्लाम या ईसाईयत नाम के अलग मजहबों को भी अपना लिया था। वैसे तो यहूदी, ईसाई और मुसलमान तीनों ही 'पीपल्स ऑफ दि बुक' माने जाते हैं, लेकिन काल के अंतराल ने अब इनको एक-दूसरे का शत्रु ही बना दिया था। वैसे भी इजराइल चारों ओर से अपने विरोधी मजहबों को मानने वाले देशों से ही घिरा हुआ है। इन देशों को यह भी लगता है कि इजराइल उनको अपदस्थ करके स्थापित हुआ है। अपने निर्माण काल से ही इजराइल को निरंतर अपने अस्तित्व की लड़ाई लडनी पड़ रही है। लेकिन प्रश्न है कि इस सारे खेल में ईरान क्या कर रहा है? ईरान इजराइल से शत्रुता धर्म किस आधार पर निभा रहा है? क्योंकि सभी जानते हैं कि लेबनान और दूसरे स्थानों पर ईरान, इजराइल के खिलाफ एक आतंकवादी संगठन हिज्बुल्लाह को शह देता रहता है। केवल शह ही नहीं, कुछ विद्वान तो यह कहते हैं कि हिज्बुल्लाह ईरान की ही अवैध संतान है। लेकिन प्रश्न फिर वही है कि ईरान का उस पचड़े से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्या लेना-देना है? इसके लिए सबसे पहले ईरान की अपनी स्थिति या इतिहास को समझ लेना होगा। दरअसल जिस वक्त अरबों ने हजरत मोहम्मद के रास्ते पर चलने का निर्णय किया, उसी समय अरब के अनेक कबीलों में एकता भी दिखाई देने लगी। जाहिर है एकता के इस प्रदर्शन के साथ ही अरबों ने उस एकता का लाभ लेने के लिए अपने परम्परागत शत्रुओं पर सैनिक हमले शुरू कर दिए। ईरान उसका पहला शिकार हुआ। वह अरबों से पराजित ही नहीं हुआ, बल्कि उसको सजा देने के लिए हमलावरों ने यह शर्त भी लगा दी कि पराजित ईरानियों को अपना मजहब छोड़ कर अरबों का नया मजहब ही अपनाना होगा। विवशता में ईरानियों को अपना परम्परागत मजहब छोडना पड़ा। उन्होंने अरबों का मजहब स्वीकार तो कर लिया, लेकिन अपने इस अपमान को भुला नहीं पाए। लेकिन उनको अपना अवसर इस्लाम मजहब के संस्थापक हजरत मोहम्मद के 632 में हुए देहावसान के लगभग पांच दशक बाद 680 में मिला। अरबों में हजरत मोहम्मद के उत्तराधिकारी को लेकर विवाद तो उनके देहावसान के तुरंत बाद ही शुरू हो गया था।

अरबों के बड़े व ताकतवर कबीलों ने हजरत मोहम्मद (उनका कोई बेटा नहीं था) के दामाद हजरत अली को उत्तराधिकारी, जिसे खलीफा कहा गया, मानने से इन्कार कर दिया। यह स्थान अबू बकर को दिया गया। इसके बाद भी बारी हजरत उमर और उस्मान की ही आई। हजरत अली को दूर ही रखा गया। तीसरे खलीफा के देहांत के बाद अली खलीफा तो बना दिए गए, लेकिन विरोधी पक्ष के अरबों ने जल्दी ही उनकी नमाज अता करते समय हत्या कर दी। लेकिन अब तक अरबों ने कई देशों पर कब्जा भी कर लिया था और वहीं बलपूर्वक अरबों का यह नया मजहब भी लागू कर दिया था । लेकिन स्वयं अरब देशों में और अरबों द्वारा कब्जा किए गए देशों में प्रशासन अच्छा और न्यायपूर्ण नहीं था। लोग मुसलमानों के इस अत्याचारी शासन से बहुत त्रस्त थे। हजरत अली के सुपुत्र हजरत हुसैन ने इसे चुनौती दी, लेकिन मुसलमानों ने उनको पूरे परिवार समेत कर्बला के मैदान में धोखे से अमानवीय तरीके से मार दिया। इस युद्ध में हजरत हुसैन की सहायता करते हुए मोहियाल ब्राह्मण भी मुसलमानों के खिलाफ लड़े थे। ब्राह्मण सेनापति राहिब दत्त के सातों बेटे इस लड़ाई में शहीद हो गए थे। मोहियाल ब्राह्मणों का उद्गम पेशावर के आसपास माना जाता है और ब्राह्मणों में मोहियाल मार्शल रेस माने जाते हैं। जम्मू कश्मीर के पुंछ में आज भी मोहियाल ब्राह्मणों के घर हैं। इमाम हुसैन के पक्ष में लडने के कारण मोहियाल ब्राह्मणों को हुसैनी ब्राह्मण भी कहा जाता है।

हजरत हुसैन की शहादत के बाद उसके अनुयायियों ने शिया मजहब के नाम से नया पंथ चलाया। ईरान के लोगों ने तुरंत इस नए पंथ को अपना लिया। ईरान और अरबों का झगड़ा तो इस्लाम मजहब के उदय होने से भी पहले का है, लेकिन बीच के एक छोटे से कालखंड में उन्हें अरबों का मजहब ही मानना पड़ा। परंतु जल्दी ही वे शिया पंथ के विस्तारक हो गए। लेकिन काल का चक्र यहीं नहीं रुका। धीरे-धीरे विश्व राजनीति में अरब हाशिए पर आ गए। ओटोमन साम्राज्य के ध्वस्त होने के बाद तुर्क भी हाशिए पर पहुंच गए। ईरान की शक्ति बढने लगी। काल का एक चक्र पूरा हो गया लगता है। अब ईरान चाहता है कि अरब देश उसका नेतृत्व स्वीकार करें। ईरान न्यूक्लिअर शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। अरब देशों का इजराइल से वैर है। लेकिन वे इजराइल को चुनौती देने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में यदि इजराइल को चुनौती देता है तो जाहिर है अरब देश इतना तो मान ही लेंगे कि यदि भविष्य में इजरायल अरब देशों को तंग करता है, तो वे कम से कम ईरान की शरण में तो जा ही सकते हैं। यह युद्ध भयंकर स्थिति की ओर बढ़ रहा है। युद्ध अगर नहीं रोका गया, तो इसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बुरे प्रभाव पड़ेंगे। दोनों को बातचीत की मेज पर इकट्ठे होना होगा, तभी यह समस्या सुलझ सकती है। लेकिन यथार्थ यह है कि दोनों ही पक्ष युद्धोन्माद में रत हैं और युद्धविराम के लिए कोई भी पक्ष तैयार नहीं है। दोनों पक्षों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। ऐसी भी आशंका है कि इस मसले पर तीसरा विश्व युद्ध भी छिड़ सकता है। इसलिए मध्यस्थता के कौशल में प्रवीण शक्तियों को आगे आकर युद्ध रुकवाना होगा।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : षष्टी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां थोड़ी प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं, बचकर पार करें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात हो सकती है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रु उपद्रव संभव है लेकिन शत्रु शमन भी संभव है। जीत आपकी ही होगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
प्रेम में तूतू-मैंमैं संभव है। भावुकता में काबू रखें। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान मध्यम है। व्यापार ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। प्रेम, संतान भी बहुत अच्छा। व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जुबान अनियंत्रित न होने दें। निवेश पर रोक लगाएं। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान भी ठीक है। व्यापार भी ठीक है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्यवान बने रहेंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं उपलब्ध होंगी। एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
मन में शंका बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा। शिवजी का जलाभिषेक करें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय के नवीन साधन बनेंगे। पुराने साधन से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यावसायिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

केवट संवाद, दशरथ मिलन का हुआ भव्य मंचन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी मीडिया प्रभारी पंडित कर्मवीर आर्य ने बताया कि कल रामलीला मंचन पर बतोर मुख्यतिथि सांसद डॉ. महेश शर्मा पहुँचे। रामलीला मंचन आरती की शुरुवात से हुई और राजा निषादराज से मिलन, नगर वसियों का राम को रोकना, केवट संवाद दशरथ मरण, भरत अयोध्या आगमन, भरत केकई-कौशल्या संवाद, भरत मिलाप रामलीला मंचन करने आये कलाकारों के ज़रिये बढ़े ही मार्मिक ढंग से दृश्य प्रस्तुत किया गया दर्शकों ने बड़े ही भाव विभोर होकर कलाकारों की कलाकारी को सराहा रामलीला मैदान बराही मंदिर पर आयोजित रामलीला में सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि रामलीलाओं के माध्यम से भगवान राम के आदर्श जीवन की लीलाओं को देखने में मिलता है राम जब भी रहे मर्यादित रहे और उन्होंने कहा कि मोदी और योगी देश व प्रदेश में विकास कार्यों के साथ भारतीय संस्कृति सनातन को लेकर भारत को विश्व गुरु बनाने के कार्य में लगे है।

श्री आदर्श रामलीला अध्यक्ष सतवीर भाटी ने कहा मेला और रामलीला मंचन देखने के लिये रोज़ भारी संख्या में दर्शक पहुँच रहे है। मेले में बच्चे झूला झूलने से लेकर खाने के लिए स्वादिष्ट व्यंजन का आनन्द लिया और आये हुए श्रद्धालु भक्त मेले में ख़रीदारी घरेलू सामनों के स्टालों से ख़रीद रहें है। रामलीला कमेटी महासचिव सत्यपाल शर्मा ने बताया कि मेला और रामलीला मंचन बड़े ही व्यवस्थित रूप से चल रहा है। मेले की व्यवस्था और मेले में आये हुए रामलीला मंचन देखने के लिये दूर दराज से आये लोगों को कार पार्किंग व्यवस्था के साथ लोगो के लिये सुरक्षा व्यवस्था पुलिस प्रशासन (मेला पुलिस चोकी) और श्री आदर्श रामलीला के पदाधिकारी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से कार्य में लगे है।

रामलीला मंचन पर मुख्यरूप से अध्यक्ष सत्यवीर भाटी, भूदेव शर्मा, मूलचंद शर्मा, महासचिव सत्यपाल शर्मा, ओमवीर बैसला, अनिल भाटी, लक्ष्मण सिंघल, अजय शर्मा एडवोकेट, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, सह मीडिया प्रभारी मोहित शर्मा, सह मीडिया प्रभारी दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल, बिजेंद्र मुदग़ल, सचिन जिन्दल सुभाष शर्मा निखिल गर्ग सौरभ गोयल मयंक गोयल राजेश ठेकेदार, विनोद भाटी, रघुवीर सिंह जेसीबी वाले, विनोद पंडित, अशोक शर्मा, केडी गुर्जर, अमन त्यागी, अवनेन्द्र यादव, चेतन शर्मा, अनिल आर्य, रविन्द्र मास्टर, शिव किशोर विशाल कुमार सुभाष शर्मा जीन्स वाले चेतन शर्मा अरुण शर्मा नवीन देवधर ओमपाल ठाकुर डॉक्टर ओमप्रकाश शर्मा योगेश अग्रवा आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा नेता ने किया शोरूम का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

जीटी रोड स्थित धूम मानिकपुर में आज महिंद्रा एजेंसी शोरूम का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं योगी सेवा फाउंडेशन के चेयरमैन तथा गुर्जर महासभा युवा (ईकाई) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील हरि ने फीता काटकर किया इस अवसर पर योगेश भाटी (डबरा) संजीव खारी गौरव नागर राहुल भाटी विनोद भाटी अमित नागर हैप्पी डाढ़ा गणेश सोनी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रविन्द्र कुमार का हुआ स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला एवं प्रशिक्षण संस्थान दनकौर में पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर रविन्द्र कुमार पंवार (डॉयरेक्टर) का शिक्षकों ने फूल मालाओं एवं बुके देकर जोश एवम् हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। डॉक्टर ने उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी एवं जिला अध्यक्ष गौतबुद्धनगर प्रवीन शर्मा के अनुरोध पर गौतमबुद्धनगर के समस्त परिषदीय शिक्षकों के लिए 40 से 50 प्रतिशत तक की छूट की घोषणा की।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी, जिला अध्यक्ष प्रवीन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष जगवीर भाटी, जिला संगठन मंत्री राजीव शर्मा, दनकौर ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पीलवान, ब्लॉक मंत्री रामकुमार शर्मा, जिला व्यायाम शिक्षिका गीता भाटी, ब्लॉक उपाध्यक्ष विनीत रावत व शौकत अली डॉक्टर साहब की धर्मपत्नी सविता पंवार, (समस्त ए आर पी रितु रत्न, प्रमोद शर्मा,डॉक्टर रविन्द्र नागर, आरती कुलश्रेष्ठ व धीरज कुमारी), अमित तिवारी, अनिल कुमार, अरुणनाथ तिवारी , शीतू चौधरी, ज्योति दुबे, अंबुज कुमार अमर आदि सैकड़ों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित हुए और सभी ने डॉक्टर साहब का धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसएफआई को मिला 'सर्वश्रेष्ठ ऐड-ऑन क्रेडिट कोर्स' पुरस्कार

नोएडा (चेतना मंच)। देश के प्रतिष्ठित डिजाइन संस्थान, सत्यम फैशन इंस्टीट्यूट को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में सस्टेनेबिलिटी शिक्षा के क्षेत्र में 'सर्वश्रेष्ठ ऐड-ऑन क्रेडिट कोर्स' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सत्यम फैशन इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने लगभग 500 प्रॉडक्ट्स तैया किए, यह पुरस्कार एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय मुंबई की कुलपति, डॉ. उज्ज्वला चक्रदेव द्वारा प्रदान किया गया, यह संस्थान के उन नवाचारी प्रयासों को मान्यता देता है जो पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर स्थिरता और समग्र विकास को प्रोत्साहित करते हैं। यह पुरस्कार 'चेतना' के द्वितीय स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदान किया गया।

डॉ. नीतू मल्होत्रा ने चेतना कार्यक्रम के पर्यवेक्षक के रूप में संस्थान के शैक्षणिक ढांचे को उन्नत करने में अहम भूमिका निभाई है। पुरस्कार समारोह के दौरान संस्थान की प्राचार्या डॉ. वंदना जगलान और उप प्राचार्या डॉ. नीतू मल्होत्रा उपस्थित रहीं।

संस्थान की चेयरपर्सन डॉ. स्नेह सिंह और सचिव डॉ. प्रदीप गुप्ता ने भी इस पहल की सराहना की और ऐसे स्थिरता कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने संस्थान की इस प्रतिबद्धता की प्रशंसा की जो न केवल छात्रों के शैक्षिक अनुभव को समृद्ध बनाती है, बल्कि उन्हें स्थिरता और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराती है।

नोएडा हिंदू युवा वाहिनी शपथ ग्रहण समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा हिंदू युवा वाहिनी द्वारा नोएडा स्टेडियम के प्रांगण में नोएडा हिंदू युवा वाहिनी के सम्मान तथा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संयोजक अनिल खेड़ा, अंतराष्ट्रीय महासचिव विनीत हिंदू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष विपिन शर्मा, जिला अध्यक्ष अमित त्यागी नोएडा महानगर अध्यक्ष टीसी गौड़ एवं अन्य कई क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थिति रहे। संयोजक अनिल खेड़ा ने बताया कि संगठन ही सबसे बड़ी शक्ति है स्वयं मिलकर रहें तथा संगठन का विस्तार करें। अंतराष्ट्रीय महासचिव विनीत हिंदू ने युवाओं को अपनी कार्य क्षमता अधिक से अधिक बढ़ाने को प्रेरित किया। नोएडा महानगर अध्यक्ष टीसी गौड़ कहा कि जातिवाद हमारी प्रगति की गति में अवरोधक है। इसलिए क्षमताएं बढ़ाएं, आपसी भाईचारा बढ़ाएं तथा मिलजुल कर रहें। कार्यक्रम के सूत्रधार गायानेन्द्र शर्मा रहे। इस कार्यक्रम में नोएडा महानगर कार्यकारिणी के मनोनीत पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। नई कार्यकारिणी में महासचिव राजीव अग्रवाल, महामंत्री ज्ञानेंद्र शर्मा, दिनेश चौहान, भूषण शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, राकेश शर्मा, बेगराज चौहान, सोहनलाल, जितेंद्र यादव, मिंटू कौशिक, सुशील शर्मा, प्रदीप मिश्रा, ऋषि शर्मा, दुर्गेश सिंह, आरके उप्रेती, मंत्री आमोद शर्मा, दीवान सिंह आदि मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

हरियाणा में बाजी पलटी...

वहीं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस गठबंधन आगे चल रहा है। रुझानों में जम्मू कश्मीर में कांग्रेस-नेकां गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार कर चुका है। कांग्रेस गठबंधन 48 सीटों पर आगे है। वहीं भाजपा 28 सीटों पर, पीडीपी 4 सीटों पर आगे है। अन्य 10 सीटों पर आगे चल रहे हैं। दोनों राज्यों के चुनाव नतीजों पर इसलिए भी नजर है क्योंकि ये नतीजे आगामी राज्यों के चुनाव पर भी असर डाल सकते हैं।

पिकअप के हेल्पर..

बैठा और उसने खुशीराम को टक्कर मार दी। इस हादसे में खुशीराम गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर स्थिति में खुशीराम को बिसरख स्थित अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने खुशीराम को मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतक की पत्नी मीरा देवी ने वेगनआर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

कैब लूटने वाले...

बदमाश अश्विनी उर्फ चीकू पुत्र राकेश सिंह निवासी ग्राम सदरपुर थाना सेक्टर 39 नोएडा, प्रिंस पुत्र जितेंद्र निवासी ग्राम सदरपुर थाना सेक्टर 39 नोएडा व शशांक पुत्र वीरू निवासी जनता फ्लैट सेक्टर-117 थाना सेक्टर-113 नोएडा, तीनो के पैर में गोली लगने से घायल हो गए जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों के कब्जे से तीन तमंचे 315 बोर 3 खोखा कारतूस, 06 जिंदा कारतूस व सूरजपुर थाना क्षेत्र से लूटी गयी स्विफ्ट कार बरामद हुई।

आपको बता दें कि ओला कैब बुक करने के बाद तीन बदमाशों ने चालक के साथ मारपीट कर कैब,मोबाइल फोन व नगदी लूट ली थी। लूटने के बाद बदमाश चालक को सुनसान जगह पर फेंक कर फरार हो गए। पीड़ित चालक ने थाना सूरजपुर में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

मूल रूप से एटा निवासी अमरदीप यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में नोएडा के गिझोड गांव में किराए पर रह रहा है। वह ओला टैक्सी चला कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है। 7 अक्टूबर की रात्रि को वह सेक्टर-53 स्थित सीएनजी पंप के पास सवारी के इंतजार में खड़ा हुआ था। इस दौरान उसके पास दो लड़के आए और उन्होंने खोदना खुर्द जाने के लिए उसकी कैब बुक की। इस दौरान उनका एक और साथी आ गया। तीनों को कैब में बैठा कर वह खोदना खुर्द की तरफ चल दिया। रास्ते में सवारी के रूप में बैठे एक बदमाश ने उसके क्यूआर कोड पर 500 रुपए की पेमेंट भी की। खोदना खुर्द गांव के पास पहुंचते ही तीनों बदमाशों ने उसके साथ लूटपाट शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की। बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन, पर्स आदि भी लूट लिया। इसके बाद बदमाशों उसे सुनसान जगह पर छोड़कर फरार हो गए।

अमरदीप यादव के मुताबिक पर्स में 2000 रुपए, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस रखा हुआ था। बदमाशों के जाने के बाद उसने किसी तरह अपने परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद वह थाना सूरजपुर पहुंचा और एफआईआर दर्ज कराई।

चिप्स बदलने को...

मां माया, बहन पूजा ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। गाली गलौज करते हुए आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और सरे आम उसके कपड़े फाड़ दिए।

मीनाक्षी के मुताबिक इस दौरान विवेक ने फोन कर अपने दोस्तों को बुला लिया। उसके दोस्तों ने तमंचा व चाकू तान कर उसे जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

दहेज लोभियों ने...

उसके माता-पिता व रिश्तेदारों ने बातचीत के बाद वापस उसे उसकी ससुराल भेज दिया। कुछ दिनों तक ठीक-ठाक रहा। इसके बाद शुभम व उसके परिजनों ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वर्ष 2023 में उसे पता चला कि वह गर्भवती है। उसने जब यह बात अपनी सास मीनाक्षी तिवारी व ननद आरोही को बताई तो उन्होंने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी और कहा कि जब तक वह मायके से क्रेटा कार और 50 लाख रुपए नहीं लाएगी तब तक वह अपने घर में उसके बच्चे को जन्म नहीं लेने देंगे। उसने जब इस बात का विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। मारपीट के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। हालत बिगड़ने पर उसे मेरठ के संतोष अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए गर्भपात कराने की सलाह दी।

प्रीति का आरोप है कि बिना उसकी सहमति के ससुराल वालों ने उसका गर्भपात करा दिया। उसे जब पता चला कि उसका गर्भपात कराया गया है तो वह डिप्रेशन में चली गई। अस्पताल से आने के बाद ससुराल वालों ने उसका फोन छीन लिया और उसे अपने माता-पिता से बातचीत करने से भी रोक दिया। मामले की जानकारी मिलने पर उसके परिजनों ने कई बार शुभम तिवारी व उसके माता-पिता को समझाने का प्रयास किया लेकिन उनके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने इस मामले को मीडिएशन सेंटर भेज दिया गया जहां पर भी कोई हल नहीं निकला। पीड़िता की शिकायत पर थाना बिसरख पुलिस ने शुभम तिवारी, उसके माता-पिता व बहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

युवक से मोबाइल...

इस दौरान एक बदमाश ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और बाइक पर बैठकर फरार हो गए। उसने शोर मचाकर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़े। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कमरे से...

तीन लैपटॉप गायब मिले। उसने अपने लैपटॉप की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़िता के मुताबिक किसी अज्ञात चोर ने उसके कमरे में रखे लैपटॉप पर हाथ साफ कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

महिला से फोन पर...

तथा उसके पति गवाह है। कोमल के मुताबिक विनीत शर्मा व उसका भतीजा चैतन्य शर्मा आए दिन उन्हें फोन कर केस वापस लेने व गवाही ना देने का दवाब बनाते हैं। उन्होंने जब केस वापस लेने से इनकार कर दिया तो आरोपियों ने उनके साथ फोन पर गाली गलौज की। पीड़िता के मुताबिक पूर्व में भी आरोपी कई बार उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दे चुके हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

घरेलू गैस का अवैध...

से रिफिलिंग करता है। सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने पूर्ति निरीक्षक रजनी चौधरी के साथ वीरेंद्र के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान वीरेंद्र के घर से घरेलू व कॉमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद हुए।

पूछताछ में वीरेंद्र ने बताया कि वह घरेलू गैस सिलेंडर खरीद कर उन्हें जरूरतमंदों को ब्लैक में बेचने के साथ-साथ अवैध रूप से रिफिलिंग भी करता है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इस कालाबाजारी में एक गैस एजेंसी के कुछ कर्मचारी भी संलिप्त हैं। पकड़े गए आरोपी से की गई पूछताछ के बाद पुलिस ने गांव के ही संजय कुमार, सोनू के यहां छापा मारा। उनके यहां पर भी घरेलू गैस सिलेंडर मिले। पुलिस ने आरोपी वीरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वीरेंद्र, संजय कुमार व सोनू के खिलाफ धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से गैस की कालाबाजारी करने वालों में हड़कंप मच गया है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar

Notice for e-Procurement Notice

Letter No.-1644/N.P.P.D./E-Tender/2024-25 Dated: -04-10-2024

The Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar invites the 15th Finance Commission (Tied Grant) percentage rate bids through **e-tendering system** from the eligible and approved Contractors registered with autonomous body/Public Sector Department/ State Government/Central Government or any government department. The Bidder may submit bids for any or all of the works. Period of availability of bidding documents on website **https://etender.up.nic.in.** From Date- 07-10-2024 To Date-28-10-2024 Time-12:00 PM. The Bids will be opened online by the authorized officer at the appointed time Date- 28-10-2024 Time-02:00 PM. Bid security& Tender Fees will be only in the form of R.T.G.S./N.E.F.T. of a scheduled HDFC Bank, Dadri, Gautambuddha Nagar, A/C No-50100065525653, IFSC Code: - HDFC0000927 pledged in favor of concerned Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar.
Name of works as per table.

S. No	Name of work	Total estimated cost (in Lakh)	Bid security (EMD) in Lakh	Cost of Bid document including GST (in Rupees)	Period of completion on including rainy season
1	2	3	4	5	6
1	नगर पालिका परिषद दादरी सीमान्तर्गत सफाई कार्य हेतु 01 नग Repair of Under Ground Dustbin की रिपेयर का कार्य।	4,95,128.00	50,000.00	590.00	02 Month

(Umesh Sharma) Clerk Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Sachin Tyagi) Junior Engineer, Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Jaipal Singh) Junior Engineer, Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Shalini Gupta) Executive Officer Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Geeta Sharma) Chairman Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar

Notice for e-Procurement Notice

Letter No.-1641/N.P.P.D./E-Tender/2024-25 Dated: -04-10-2024

The Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar invites the 15th Finance Commission (Tied Grant) percentage rate bids through **e-tendering system** from the eligible and approved Contractors registered with autonomous body/Public Sector Department/ State Government/Central Government or any government department. The Bidder may submit bids for any or all of the works. Period of availability of bidding documents on website **https://etender.up.nic.in.** From Date- 07-10-2024 To Date-28-10-2024 Time-12:00 PM. The Bids will be opened online by the authorized officer at the appointed time Date- 28-10-2024 Time-02:00 PM. Bid security& Tender Fees will be only in the form of R.T.G.S./N.E.F.T. of a scheduled HDFC Bank, Dadri, Gautambuddha Nagar, A/C No-50100065525653, IFSC Code: - HDFC0000927 pledged in favor of concerned Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar.
Name of works as per table.

S. No	Name of work	Total estimated cost (in Lakh)	Bid security (EMD) in Lakh	Cost of Bid document including GST (in Rupees)	Period of completion on including rainy season
1	2	3	4	5	6
1	नगर पालिका परिषद दादरी सीमान्तर्गत पेयजल आपूर्ति हेतु वार्ड सं0-10 से वार्ड सं0-20 में 10 नग Supply & Fixing of 10 Nos Water Cooler with RO+UV and boring with summercible Pump लगाये जाने का कार्य।	39,91,972.00	1,00,000.00	4,720.00	02 Month

(Umesh Sharma) Clerk Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Sachin Tyagi) Junior Engineer, Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Jaipal Singh) Junior Engineer, Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Shalini Gupta) Executive Officer Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar | (Geeta Sharma) Chairman Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की पहली छहमाही मे 500 करोड़ बिक्री का माइलस्टोन हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड एक आइएसओ 22000 :2018 और यूएसएफडीए प्रमाणित एग्रो उत्पाद एफएमसीजी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी, ने गर्व से बताया है कि उसने वर्तमान वित्तीय वर्ष के पहले आधे में 500 करोड़ की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड की प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है, जो मुख्य रूप से निम्बार्क नामक ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले जैविक उत्पादों की बढ़ती पहचान से संबंधित है। कंपनी को उच्च गुणवत्ता वाले जैविक उत्पादों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण लाभ वृद्धि हो रही है। एसएफएल की 130 वर्षों से अधिक की विरासत ने इसे चावल के क्षेत्र में उत्कृष्टत बना दिया है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करता है ।एसएफएल ब्रांडेड और अनब्रांडेड बासमती और गैर-बासमती चावल के साथ-साथ अन्य प्रीमियम एफएमसीजी और जैविक उत्पादों का निर्माण, व्यापार, प्रसंस्करण और मार्केटिंग करने में विशेषज्ञता रखता है। प्रत्येक उत्पाद सात्विक जीवनशैली के दर्शन का प्रतीक है, जो हिमालय की उपजाऊ और खनिज-समृद्ध मिट्टी में उगाए गए चावल से उत्पन्न होता है, जो जैविक खाद और चेन्नाब नदी के शुद्ध जल से पोषित होता है ।हाल के वर्षों में उपभोक्ताओं की पसंद में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। इस बदलते बाजार के अनुसार, एसएफएल अपनी बिक्री की रणनीति को तेजी से समायोजित कर रहा है ताकि वह इन अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सके ।यह उत्कृष्ट उपलब्धि हमारे ग्राहकों के विश्वास का परिचायक है और हमारी दीर्घकालिक व्यापार रणनीति की पुष्टि करती है, सर्वेश्वर समूह के चेयरमैन श्री रोहित गुप्ता ने कहा। हम अपनी जैविक उत्पादों की बढ़ती पहचान के लिए आभारी हैं, जो हमारी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उच्च गुणवत्ता वाले जैविक उत्पादों की आपूर्ति पर हमारा ध्यान न केवल जीवन को बेहतर बनाता है, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं को भी बढ़ावा देता है। हम लगातार लगभग 25 प्रतिशत सीएजीआर वृद्धि प्राप्त करने की राह पर हैं।

जेटीएल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने अब तक का सबसे अधिक सेल्स वॉल्यूम दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी ।जेटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक तेजी से बढ़ती डायनेमिक स्टील ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग कंपनी, जो ब्लैक स्टील पाइप्स, प्री-गैल्वनाइज्ड और गैल्वनाइज्ड स्टील पाइप्स, लार्ज-डायमीटर स्टील ट्यूब्स और पाइप्स और हॉलो (खोखले) स्ट्रक्चर्स के उत्पादन में माहिर है, ने घोषणा की कि जेटीएल इंडस्ट्रीज और नाभा स्टील्स ने 1,03,193 मीट्रिक टन की उच्चतम बिक्री मात्रा दर्ज की। जेटीएल ने फाइनेंशियल ईयर 25 की दूसरी तिमाही में अपनी अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री मात्रा 103,193 मीट्रिक टन दर्ज की है, जिसमें नाभा स्टील्स का वॉल्यूम भी शामिल है।

हेवी स्ट्रक्चर्स की मजबूत मांग के कारण, फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में हासिल 81,686 मीट्रिक टन की तुलना में यह 26.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही में बिक्री की मात्रा अभूतपूर्व रूप से 1,99,593 मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जो कि फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली छमाही में 1,59,028 मीट्रिक टन से 25.49 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। यह वृद्धि मार्केट शेयर और ऑपरेशनल कपैसिटी के विस्तार में निरंतर गति को उजागर करती है। अप्रैल 2024 में नाभा स्टील्स एंड मेटल्स के अधिग्रहण के बाद से, कंपनी ने पर्याप्त प्रगति दिखाई है। जून में पहले चरण के सफल कमर्शियलाइजेशन के बाद, प्लांट ने लगातार मजबूत परिणाम दिए हैं। फाइनेंशियल ईयर 25 की दूसरी तिमाही में, नाभा स्टील्स ने 12,776 मेट्रिक टन की बिक्री मात्रा हासिल की, जो फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में 10,726 मेट्रिक टन से अधिक है। इससे फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही के लिए कुल बिक्री मात्रा 23,502 मीट्रिक टन हो गई है।

सस्ते में सोना खरीदने का आ रहा है मौका

● कीमत ऑल-टाइम हाई पर पहुंची ● दिल्ली में इसकी कीमत 78,450 रुपये हुई

चांदी भी 94,200 रुपये प्रति किलोग्राम हुई

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतें हाल ही में 78,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल-टाइम हाई लेवल पर पहुंच गई थी। मोतीलाल ओसवाल की एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में इसमें कुछ गिरावट की संभावना है। एसेट मैनेजमेंट फर्म ने कहा कि ऐतिहासिक रुझानों को देखते हुए सोने की कीमतों में 5 से 7 प्रतिशत तक गिरावट आ अनुमान है। सोने ने साल 2000 के बाद कभी भी 32 प्रतिशत का सालाना रिटर्न नहीं दिया है। राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 150 रुपये की तेजी के साथ 78,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। चांदी की कीमत भी 1,035 रुपये की तेजी के साथ 94,200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले चरण की तेजी से पहले सोने की कीमत में 5-7 फीसदी तक गिरावट आएगी। रिपोर्ट में उन कारणों का जिक्र किया गया है जिनके कारण सोने का मार्केट प्रभावित हो सकता है। इसमें आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, घरेलू ईटीएफ आयात, एसपीडीआर होल्डिंग्स और सीएफटीसी की स्थिति शामिल है। ये सभी कारण तेजी के रुझान को सपोर्ट कर रहे हैं। साल 2024 के पहले नौ महीनों में सोने की कीमतों में उछाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख और भू-राजनीतिक कारकों से प्रेरित है।

कहां तक जाएगी कीमत

केंद्रीय बैंकों की खरीद, घरेलू त्योहारी और शादी के मौसम से भविष्य की मांग से बाजार की धारणा को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मोतीलाल ओसवाल का अनुमान है कि अगले दो साल में सोने की कीमतें 86,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच जाएंगी। मौजूदा तेजी का रुझान मजबूत मांग खासकर मौजूदा त्योहारी सीजन के कारण है। अनुकूल मॉनसून सीजन और अधिक फसल बुआई के कारण सोने की ग्रामीण मांग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। इससे ग्रामीण आर्थिक स्थिति मजबूत होने और त्योहारी सीजन के दौरान सोने की खरीद में वृद्धि होने की संभावना है। केंद्रीय बजट में घोषित हाल ही में आयात शुल्क में कटौती और गोल्ड ईटीएफ के लिए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर में बदलाव के बाद भारतीय गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक एमएनसी फंड

पोर्टफोलियो में मल्टीनेशनल कंपनियों के स्टॉक शामिल करने का मौका

मुंबई, एजेंसी। अगर आप म्यूचुअल फंड की किसी नई और इनोवेटिव थीम वाली स्कीम में निवेश करना चाहते हैं, तो आपके पास अच्छा मौका है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केएमएएमसी/कोटक म्यूचुअल फंड) ने मल्टीनेशनल कंपनीज थीम पर आधारित अपना न्यू फंड ऑफर लॉन्च किया है। यह नई स्कीम कोटक एमएनसी फंड के नाम से लॉन्च की गई है, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। इस फंड के जरिए निवेशकों को ग्लोबल लेवल पर पहुंच वाली मल्टीनेशनल कंपनियों में एक्सपोजर मिलेगा।

पोर्टफोलियो में अलग अलग सेक्टर और अलग अलग मार्केट कैप की मजबूत मल्टीनेशनल कंपनियों के स्टॉक होंगे, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का भी लाभ मिलेगा। कोटक एमएनसी फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 7अक्टूबर, 2024को खुल रही है और इसमें 21अक्टूबर, 2024 तक निवेश किया जा सकता है।

मल्टीनेशनल कंपनियों को अपनी ग्लोबल उपस्थिति, मजबूत ब्रांड और रिसर्च एंड डेवलपमेंट क्षमताओं के साथ, अक्सर घरेलू कंपनियों पर कुछ बढ़त का लाभ मिलता है। कोटक एमएनसी फंड उन मल्टीनेशनल कंपनियों में निवेश पर फोकस करता है, जो अपनी मजबूत ग्लोबल ब्रांड प्रेजेंस, एडवांस ऑपरेशन, एडवांस टेक्नोलॉजी के चलते मिलने वाले लाभ, मजबूत मैनेजमेंट क्वालिटी और वित्तीय रूप से मजबूती के लिए जानी जाती हैं। ये कंपनियां अलग अलग सेक्टर में मौजूद हैं और महत्वपूर्ण इंटरनेशनल बिजनेस एक्सपोजर रखती हैं।

यह फंड निवेशकों को एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो इन अच्छी तरह से स्थापित ग्लोबल कंपनियों की दीर्घकालिक ग्रोथ क्षमता का लाभ उठाता है। यानी इसमें निवेशकों को मल्टीनेशनल कंपनियों की ग्रोथ का फायदा मिलता है। एमएनसी फंडों में निवेश करने से पोर्टफोलियो में डाइवर्सिफिकेशन आता है, जिससे रिस्क और अस्थिरता कम होती है। बाजार की अनिश्चितताओं के दौरान यह विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है।

कोटक एमएनसी फंड का लक्ष्य मल्टीनेशनल कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से संबंधित सिक्योरिटीज में निवेश कर लंबी अवधि में हाई रिटर्न हासिल करना है। फंड में अलग अलग मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में निवेश की सुविधा है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलेश शाह ने कहा कि मल्टीनेशनल कंपनियां रिसर्च, इनोवेशन और एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ती हैं। ये कंपनियां अलग अलग भौगोलिक क्षेत्रों में श्रेष्ठता रखती हैं और उनके पास मजबूत बिजनेस मॉडल होते हैं, जिससे समान सेक्टर की दूसरी कंपनियों की तुलना में उन्हें फायदा मिलता है। कोटक एमएनसी फंड का लक्ष्य मल्टीनेशनल कंपनियों की इसी मजबूती का लाभ उठाना है।

दादी के नुस्खे आए काम, इन दो बहनों ने 5 लाख रुपये से खड़ा कर दिया 10 करोड़ का ब्रांड

नईदिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु में दो बहनों रम्या और श्वेता रवि ने अपनी दादी मां की याद में आरएनआर वोमेन बिरयानी नाम का एक सफल व्यवसाय खड़ा कर दिया है। उनका उद्देश्य था अपनी दादी की खास रेसिपी वाली डोने बिरयानी को पूरे शहर में मशहूर करना। 2020 में शुरू हुए इस सफर में उन्होंने अब तक करोड़ों की कमाई कर ली है। आइए, यहां रम्या और श्वेता रवि की की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कौन सी बिरयानी सबसे बेहतरीन होती है, इस पर हमेशा से बहस होती रही है। कुछ लोग हैदराबादी बिरयानी के स्वाद के दीवाने होते हैं तो कुछ कोलकाता बिरयानी को सर्वोत्तम मानते हैं। लेकिन, बेंगलुरु की रम्या रवि और उनकी बहन श्वेता के लिए जवाब एकदम साफ है - डोने बिरयानी। यह पत्ते के कटोरे में परोसी जाती है। इसे उनकी दादी मां बनाया करती थीं। लिहाजा, 2020 में आरएनआर वोमेन बिरयानी नाम का अपना वेंचर शुरू करने के लिए उन्हें जरा भी संकोच नहीं हुआ। पहले ही महीने में 10,000 से ज्यादा ऑर्डर मिलने से इस उद्यम की नींव मजबूत हो गई। इसके बाद से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

रम्या और उनकी बहन श्वेता दोनों कारोबार को संभालती हैं। उन्होंने 5 लाख रुपये की पूंजी से 200 वर्ग फुट के क्लाउड किचन से इसकी शुरुआत की थी। यह ब्रांड आज बेंगलुरु में 14 क्लाउड किचन और एक स्टैंड-अलोन रेस्टोरेंट तक फैल

गया है। डोने बिरयानी को बाकी बिरयानी से अलग बनाने वाला उसका हरा रंग है। इसकी तैयारी में इस्तेमाल होने वाला चावल भी अलग होता है। इसमें छोटे दाने वाले चावल का इस्तेमाल होता है। इसे जीरागा सांबा चावल कहा जाता है। डोने बिरयानी बेंगलुरु में मिलती है। लेकिन, बहनों को हमेशा से ताज्जुब होता था कि यह बाकी बिरयानी की तरह लोकप्रिय क्यों नहीं है।

गौहर महल में आईआईए भोपाल द्वारा वर्ल्ड आर्किटेक्चर डे का भव्य आयोजन

भोपाल। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स , भोपाल सेंटर ने गौहर महल में वर्ल्ड आर्किटेक्चर डे का सफल आयोजन किया, जिसमें शहर भर के आर्किटेक्ट्स, डिजाइन प्रोफेशनल्स और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस वर्ष का थीम कला, स्थापत्य और तकनीक का जटिल समावेश था, जिसने प्रतिभागियों को रचनात्मकता और नवाचार के महत्व को समझने और भविष्य की वास्तुकला में इसके योगदान पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। इस भव्य आयोजन में वास्तुकला के उत्कृष्ट प्रदर्शनों के साथ-साथ सामुदायिक सहभागिता और रचनात्मक सहयोग की झलक देखने को मिली। यह आयोजन आधुनिक शहरों की चुनौतियों, तकनीकी समावेशन और सतत वास्तुकला के अभ्यासों पर केंद्रित रहा । कार्यक्रम के दौरान रंग बैंड ग्रुप ने म्यूजिकल परफॉर्मेंस दी। साथ ही कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नॉलेज पार्टनर का डिजिटल डिस्प्ले, ऑन द स्पॉट कम्पटीशन रहा जिसमे लाइव पेंटिंग और फोटोग्राफी कांटेस्ट हुआ। भोपाल चैप्टर के चेयरमेन अक्षय सेलुंकर ने बताया कि यह आर्किटेक्ट्स का फेस्टिवल है जिसे वर्ल्ड आर्किटेक्चर्स डे के अवसर पर मनाया जा रहा है। रविवार के दिन आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जन को आर्किटेक्ट्स के प्रति जोड़ना है। इस कार्यक्रम में खासतौर से मैनिट और एसपीए के स्टूडेंट्स प्रोफेशनल आर्किटेक्ट्स से इंटरेक्शन करने पहुंचे। उन्होंने बताया कि हम चाहते हैं आर्किटेक्ट्स और सोसाइटी के साथ मिलकर काम करे ताकि समय के साथ जो बदलाव हो रहे हैं उनकी जानकारी आपस में साझा कर सके। इस मौके पर जो हमारे प्रोफेशनल आर्किटेक्ट्स के काम का डिजिटल डिस्प्ले भी किया गया। उन्होंने बताया 2025 में पैन इंडिया लेवल का नेशनल कन्वेंशन सेंटर (नेट कॉन) ईवेंट होगा।

कारोबार का भरोसा मजबूत, लेकिन विदेश के हालात ने बढ़ा दी है चिंता

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक चुनौतियों के बीच कारोबार की बेहतर संभावना के बारे में भारतीय उद्योग जगत का हौसला और मजबूत हुआ है। मौजूदा वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में सीआइआइ बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स के दो तिमाहियों के ऊंचे स्तर पर पहुंच जाने की जानकारी देते हुए कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज ने रविवार को कहा कि सरकारी नीतियों में निरंतरता बनी रहने से उद्योग जगत का उत्साह बढ़ा है। सीआइआइ बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स एफवाय2025 की दूसरी तिमाही में 68.2 पर पहुंच गया। पहली तिमाही में यह 67.3 पर था।

वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में यह 67.1 पर था। सितंबर में 200 से अधिक कंपनियों को शामिल करने वाले सीआइआइ बिजनेस आउटलुक सर्वे के 128वें राउंड के नतीजों की जानकारी देते हुए सीआइआइ ने कहा, 'कारोबारी संभावनाओं में हो रहे सुधार के मुताबिक लगभग आधी कंपनियों ने दूसरी तिमाही में अपने यहां हायरिंग सिचुएशन सुधरने की उम्मीद जताई।'

3 बड़ी चुनौतियां- कंपनियों ने

जियोपॉलिटिकल टेंशन, ग्लोबल कमोडिटी प्राइसेज में उछाल और विदेशी बाजारों में घटती डिमांड को कारोबार के लिए 3 सबसे बड़ी समस्याओं के रूप में गिनाया। सीआइआइ ने कहा, 'ग्रोथ को और दमदार बनाने में आगामी त्योहारी सीजन से मदद मिलेगी। लेकिन वैश्विक हालात अनिश्चित बने हुए हैं और बदलती आर्थिक स्थितियों पर सावधानी से नजर रखने की जरूरत है।'

45 प्रतिशत को मुनाफा बढ़ने की उम्मीद

46 प्रतिशत कंपनियों ने सितंबर तिमाही में उनके यहां पूरी उत्पादन क्षमता का 75-100 प्रतिशत तक उपयोग होने की संभावना जताई थी, जो पिछली तिमाही से बेहतर है। 78 प्रतिशत कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में इंफ्लेशन 5 प्रतिशत से कम रहने की उम्मीद जताई। लगभग 34 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि आरबीआई मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही तक ब्याज दर घटाना शुरू कर देगा। 31 प्रतिशत ने कहा कि रेट कट चौथी तिमाही में शुरू होगा। 50 प्रतिशत से अधिक कंपनियों ने कहा कि उन्हें सेल्स और नए ऑर्डर्स बढ़ने की आशा है। वहीं, 45 प्रतिशत से अधिक ने मुनाफा बढ़ने का अनुमान जताया।

50 फीसदी छात्र निपुण नहीं तो रुकेगा वेतन : बीईओ

पीलीभीत (चेतना मंच)। खंड शिक्षा अधिकारी बरखेडा ने ब्लॉक के तमाम विद्यालयों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 15 अक्टूबर तक पचास फीसदी छात्र निपुण नहीं होते हैं तो विद्यालय स्टॉफ का वेतन आहरण अवरुद्ध किया जाएगा।

निपुण भारत मिशन के तहत विद्यालयों मे चल रहे बुनियादी भाषा व गणित विषय मे (कक्षा 1, 2 व 3) अधिकांश छात्र निर्धारित दक्षताओं के अनुरूप निपुण नहीं हैं। विगत माह विद्यालयों में किये गए छात्रो के असेसमेंट के आधार पर पचास फीसद से भी कम छात्र निपुण हैं।

बीईओ अजय कुमार ने इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए ऐसे तमाम विद्यालयों के स्टॉफ को चेतावनी दी है कि 15 अक्टूबर तक हर हालत मे 50 फीसद से अधिक छात्र निपुण होने चाहिये। शासन के साफ निर्देश हैं कि निपुण भारत मिशन के अंतर्गत छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा देते हुए उन्हें दी गई दक्षताओं मे निपुण करें।

दूसरी ओर बीआरसी बरखेडा पर चल रहे चार दिवसीय प्रशिक्षण एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एन्ड

न्यूमरेसी) के अंतिम दिवस पर सन्दर्भदाताओं ज्ञानप्रकाश, रवि कुमार, देवेंद्र पाल, मोहम्मद असलम, सोनिल कुशवाह, रमेश चंद्र और उमेश कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को कहा कि अपने-अपने विद्यालयों मे दिए गए प्रशिक्षण के अनुरूप ही शिक्षण कार्य करें। इससे छात्रों को निपुण बनाने मे आसानी होगी।

राजगढ़ में एमडीपीई पाइपलाइन टूटने से गैस लीक

राजगढ़ । एमडीपीई पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की घटना साहू धर्मशाला, खुजनेर रोड, राजगढ़ के सामने हुई, जिसके कारण गैस का रिसाव हुआ। सूचना मिलने पर, थिंक गैस आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को ढूंढा और गैस की आपूर्ति को अलग किया। ठेकेदार द्वारा किए जा रहे इस अनधिकृत उत्खनन के बारे में थिंक गैस के साथ कोई जानकारी साझा नहीं की गई। एक विद्युत पोल लगाने के लिए खुदाई करते समय एक तीसरे पक्ष के ठेकेदार द्वारा पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। अंडरले गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप राजगढ़ में आठ आस-पास की आवासीय सोसायटियों और हमारे औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को गैस की आपूर्ति बंद हो गई। गैस पाइपलाइनों के पास बिना जानकारी के उत्खनन करने से पाइपलाइनों को नुकसान पहुंचता है, जिससे न केवल ग्राहकों को गैस की आपूर्ति बाधित होती है, बल्कि आग लगने, संपत्ति को नुकसान पहुंचने और यहां तक कि मृत्यु होने सहित भारी नुकसान होने की संभावना भी होती है। गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाने का कृत्य स्पष्ट रूप से पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार का अधिग्रहण) अधिनियम,(पीएमपी एक्ट) 1962 की धारा 15 (1) और (2) के साथ-साथ आईपीसी की सुसंगत धाराओं के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने दर्ज की अब तक की सबसे उच्चतम सेल्स वॉल्यूम

वित्त वर्ष 2025 की पहली छह माही में साल दर साल वॉल्यूम 32 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत की प्रमुख स्टील ट्यूब्स और पाइप्स निर्माण कंपनी, ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए शानदार सेल्स वॉल्यूम परिणामों की घोषणा की है, जो 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हुई।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए 123,027 एमटी की सेल्स वॉल्यूम दर्ज की, जो साल-दर-साल 22.50 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है। वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही के लिए, सेल्स वॉल्यूम 245,182 एमटी तक पहुंच गई, जो साल दर साल 32.55 प्रतिशत की उत्कृष्ट वृद्धि को दर्शाती है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बुनियादी ढांचा, जल परिवहन और सौर ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग के कारण हुई है। मॉनसून के मौसम के बावजूद, हाई-टेक ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में बढ़ते सरकारी खर्च और निजी निवेश से उत्पन्न अवसरों का सफलतापूर्वक लाभ उठाया है। इस अवसर पर, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के चेयरमैन, श्री अजय कुमार बंसल ने कहाः हम इन महत्वपूर्ण वृद्धि आंकड़ों की रिपोर्ट करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं, जो हमारे मजबूत बाजार स्थिति और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हमारे ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता को उजागर करते हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर, जल परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में स्टील पाइप्स की मजबूत मांग और हमारी रणनीतिक पहलों ने हमें ये आंकड़े हासिल करने में सक्षम बनाया है। भविष्य की ओर देखते हुए, हमें आगामी त्योहारी सीजन के साथ-साथ चल रही नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के दौरान मांग में और वृद्धि की उम्मीद है, जो हमें सतत सफलता की ओर अग्रसर करेगा। गुणवत्ता, स्थिरता और संचालन दक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अडिग है। हम नवाचार और ग्राहक संतोष पर ध्यान केंद्रित करते रहेंगे ताकि बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रख सकें।

हाल ही में, कंपनी को इंड ए क्रेडिट रेटिंग दी गई है, जो लंबी अवधि के बैंक सुविधाओं के लिए और इंड ए1 क्रेडिट रेटिंग, अल्पकालिक बैंक सुविधाओं के लिए भारत रेटिंग्स एंड रिसर्च प्रा. लि. द्वारा प्रदान की गई है। यह रेटिंग वित्तीय वर्ष 2024 में मजबूत राजस्व और वॉल्यूम वृद्धि, स्टील ट्यूब्स और पाइप्स, गैल्वनाइज्ड और कॉरुगेटेड शीट्स, कोल्ड-रोल्ड उत्पादों और रंगीन शीट्स के विविध उत्पाद पोर्टफोलियो के कारण दी गई है।

इंग्लैंड वर्सेस पाकिस्तान टेस्टः

अब्दुल्लाह शफीक ने खत्म किया 10 पारी का सूखा, टेस्ट क्रिकेट में लगाया 5वां शतक

मुल्तान, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान के सात शान मसूद के बाद ओपनर अब्दुल्लाह शफीक ने शतक जड़ा। इस शतक के साथ उन्होंने 10 पारी का सूखा खत्म किया। टेस्ट क्रिकेट में यह उनका 5वां शतक है। इससे पहले उन्होंने जुलाई 2023 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक जड़ा था। श्रीलंका के खिलाफ 201 रन की पारी खेलने के बाद अब्दुल्लाह शफीक 10 में से 7 पारी में दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर पाए थे। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिसंबर 2023 में उन्होंने 62 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा अगस्त 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने 37 रन बनाए थे। वह 10 में 3 पारियों में डक पर आउट हुए थे।

गोल्फ खेलने के लिए जेम्स एंडरसन ने छोड़ा टीम का साथ पाकिस्तान के खिलाफ अंग्रेज गेंदबाजों का हुआ बुरा हाल

मुल्तान, एजेंसी। इंग्लैंड के गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन के पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज की तैयारियों को छोड़कर गोल्फ टूर्नामेंट के लिए जाने के फैसले ने लोगों को चौंका दिया है। जुलाई में रिटायरमेंट के बाद 42 वर्षीय एंडरसन को इंग्लैंड का रेड-बॉल गेंदबाजी मेंटर नियुक्त किया गया। हालांकि, मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ सोमवार (7 अक्टूबर) को होने वाले पहले टेस्ट से पहले वह इंग्लैंड की प्री-सीरीज तैयारियों का हिस्सा नहीं थे। वे प्रो-एम गोल्फ टूर्नामेंट अल्फ्रेड डनहिल लिंक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए स्कॉटलैंड गए थे। इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण में विदेश में खेलने का अनुभव नहीं है।

भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को हराने का नतीजा, सनत जयसूर्या बने श्रीलंका के प्रमुख कोच

कोलंबो, एजेंसी। सनत जयसूर्या को 2026 टी-20 विश्व कप तक श्रीलंकाई पुरुष टीम का प्रमुख कोच बनाया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अंतरिम कोच जयसूर्या की अगवाई में टीम के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें स्थाई कोच बनाने का फैसला किया है। एसएलसी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, 'श्रीलंका क्रिकेट की एग्जेक्यूटिव कमेटी ने टीम के बेहतरीन प्रदर्शन को आधार मानते हुए ये निर्णय लिया है। जयसूर्या के अंतरिम कोच रहते हुए टीम ने भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की है। पिछले कुछ महीने में जयसूर्या की कोचिंग में श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत के एकदिवसीय सीरीज जीती, उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में 10 साल बाद टेस्ट में जीत हासिल की और फिर अभी भी न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराते हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। जयसूर्या का ये पहला कोचिंग अनुभव है। इससे पहले जयसूर्या श्रीलंकाई टीम के साथ मुख्य चयनकर्ता के तौर भी कार्यभार संभाल चुके हैं। प्रमुख कोच के तौर पर जयसूर्या का पहली परीक्षा दंबुला और पल्लेकेले में होने वाले वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सफेद गेंद सीरीज में होगा।

इंडिया वर्सेस बांग्लादेश

हार्दिक पांड्या ने पहले टी20 में बनाए दो रिकॉर्ड, विराट कोहली को छोड़ा पीछे

ग्वालियर, एजेंसी। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने टी20 में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पछाड़ दिया है। हार्दिक ने बांग्लादेश के खिलाफ ग्वालियर में पहले टी20 मैच में सबसे ज्यादा छक्के के साथ मैच समाप्त करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसी के साथ ही वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। मैच के दौरान हार्दिक ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। पहले गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 6.50 की इकॉनमी रेट से अपने चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। बाद में 128 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हार्दिक ने 16 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 39* रन बनाकर शानदार फिनिशिंग की। उनके रन 243.75 की स्ट्राइक रेट से आए। अपनी पारी के दौरान पांड्या ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए। इसमें विकेटकीपर के सिर के ऊपर से नो-लुक रैंप शॉट भी शामिल था। ऑलराउंडर ने शॉट खेलते समय अपने खास आत्मविश्वास और स्वैगर का परिचय दिया, अपनी ताकत और बल्ले पर इतना भरोसा किया कि उन्हें पता था कि गेंद किसी भी तरह बाउंड्री की ओर जा रही है।

अब हार्दिक ने भारत के लिए टी20आई मैच में कुल पांच बार छक्का लगाकर मैच समाप्त किया है, जिससे उन्होंने विराट के चार बार ऐसा करने के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। साथ ही अपने एक विकेट के साथ, पांड्या (87 विकेट) ने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (86 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए सबसे छोटे प्रारूप में भारत के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जिन्होंने 96 विकेट लिए हैं, लेकिन वह लम्बे समय से टीम से बाहर हैं।

इंग्लैंड वर्सेस पाकिस्तान टेस्टः

शान मसूद ने 1524 दिन बाद ठोका टेस्ट शतक

मुल्तान, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट में शान मसूद के शतक का इंतजार आखिरकार थम गया. इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान टेस्ट में शतक जड़कर उन्होंने अपने इंतजार का सिलसिला तोड़ा. टेस्ट में शान मसूद ने आखिरी बार शतक साल 2020 में लगाया था. 5 अगस्त 2020 को इंग्लैंड के खिलाफ जमाए उस शतक के बाद अब अपने इंतजार को भी उन्होंने इंग्लैंड की टीम के खिलाफ ही खत्म किया है. टेस्ट में 1524 दिन बाद जो शतक शान मसूद ने लगाया है वो इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा और उनके टेस्ट करियर का 5वां शतक है.

10 साल बाद पाक बल्लेबाज का इतना तेज शतक

शान मसूद के इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान टेस्ट में जमाए शतक की सबसे खास बात ये रही कि इसकी स्क्रिप्ट उन्होंने काफी तेजी से लिखी. मुल्तान में कप्तानी पारी को खेलने के दौरान शान मसूद का स्ट्राइक रेट हमेशा बेहतर स्थिति में रहा, जिसका असर पाकिस्तान के स्कोर बोर्ड पर भी देखने मिल रहा है. टेस्ट क्रिकेट में 10 साल बाद ऐसा देखने को मिला है जब किसी पाकिस्तानी बल्लेबाज ने इतनी तेजी से शतक जड़ा है.

टी-20 में सुरेश रैना के छक्कों का यह रिकॉर्ड टूटा, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर पहुंचे; जानिए कहां हैं रोहित-कोहली

ग्वालियर, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने 3 मैचों की टी20आई सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश को ग्वालियर में 7 विकेट से हरा दिया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 19.5 ओवर में 127 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने 11.5 ओवर में 3 विकेट पर 132 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। इस मैच में सूर्यकुमार की कप्तानी लाजवाब रही तो वहीं उनकी बल्लेबाजी भी बेहतरीन रही। हालांकि उन्होंने छोटी पारी खेली, लेकिन इस दौरान उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट्स लगाए और सुरेश रैना के एक बड़े रिकॉर्ड को भी तोड़ने में सफल रहे।

सुरेश रैना से आगे निकले सूर्यकुमार यादव

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ग्वालियर में 14 गेंदों पर 3 छक्के और 2 चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली और एक बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। इन 3 छक्कों की मदद से सूर्यकुमार यादव टी20 क्रिकेट में छक्के लगाने के मामले में सुरेश रैना से आगे निकल गए। टी20 क्रिकेट में अब सूर्यकुमार के 328 छक्के हो गए जबकि रैना ने 325 छक्के लगाए थे। सूर्या अब टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में चौथे स्थान पर आ गए जबकि रैना पांचवें नंबर पर चले गए। वहीं रोहित शर्मा 525 छक्कों के साथ पहले तो वहीं विराट कोहली 416 छक्के लगाकर दूसरे नंबर पर हैं।

टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय

525 - रोहित शर्मा
416 - विराट कोहली
338 - एमएस धोनी
328 - सूर्यकुमार यादव
325 - सुरेश रैना
311 - केएल राहुल
302 - संजू सैमसन

सूर्या ने बांग्लादेश के खिलाफ 29 रन की पारी 207.14 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। उन्होंने भारत की तरफ से टी20आई में 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ 12वीं बार 25 या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल किया है। उनके बाद ऐसा 8 बार हार्दिक पांड्या ने किया है जबकि रोहित शर्मा और युवराज सिंह ने 7-7 बार ये कमाल किया था।

12 बार -सूर्यकुमार यादव
8 बार - हार्दिक पांड्या
7 बार - रोहित शर्मा
7 बार - युवराज सिंह
6 बार - दिनेश कार्तिक
4 बार - यशस्वी जायसवाल

हरमनप्रीत कौर की फिटनेस पर स्मृति मंधाना ने दिया अपडेट

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 विश्व कप मैच में लगी चोट

दुबई, एजेंसी। 2024 महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर भारत की छह विकेट की जीत के दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर खेल समाप्त होने से ठीक पहले अपना संतुलन खोने और गर्दन में चोट लगने के कारण 29 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गईं जिससे कई लोग चिंतित हो गए। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में हरमनप्रीत की जगह उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि चिकित्सा दल भारतीय कप्तान की गर्दन की चोट की जांच कर रहा है। स्मृति ने कहा, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, चिकित्सक इसकी जांच कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह ठीक होंगी। अरुंधति रेड्डी के करियर के सर्वश्रेष्ठ 3-19 के स्पेल की बदौलत पाकिस्तान को 105/8 पर रोकने के बाद भारत से उम्मीद थी कि वह अपने नेट रन रेट को बढ़ाने के इरादे से झटके में पीछा पूरा कर लेगा, जो न्यूजीलैंड से 58 रन की हार के कारण काफी प्रभावित हुआ। लेकिन पाकिस्तान की अनुशासित गेंदबाजी के कारण भारत पावर-प्ले में केवल 25/1 रन ही बना सका और जोखिम लेने की कभी भी तत्परता नहीं दिखाई।

स्मृति ने स्वीकार किया कि भारत जिस तरह से पीछा करने के लिए आगे बढ़ा था, उसमें सुधार हो सकता था, अब उनका नेट रन रेट -1.217 है। पाकिस्तान का रन रेट और स्थिति हार के बाद भी बेहतर है। मंधाना ने कहा, हमने इसके बारे में सोचा (नेट रन रेट बढ़ाने के बारे में), लेकिन मैं और शेफाली गेंद को टाइम नहीं कर सके। इसलिए हम ऐसी स्थिति में नहीं पहुंचना चाहते थे जहां हम गेम का पीछा कर रहे हों, लेकिन हक्क निश्चित रूप से हमारे दिमाग में है। यह गेम हमें कुछ गति देगा और उम्मीद है कि हम इस टूर्नामेंट में आगे बढ़ सकते हैं।

बैडमिंटनः

पेरिस ओलंपिक की निराशा के बाद वापसी करेंगे पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन

आर्कटिक ओपन में लेंगे हिस्सा

वंता (फिनलैंड), एजेंसी। सिंधू ने इस बीच अपने पिछले कोच इंडोनेशिया के एगस ड्वी सैंटोसो से नाता तोड़कर भारत के अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल को अपने नए कोच के रूप में नियुक्त किया। दूसरी तरफ सेन ने अपनी फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने इस दौरान अपना अधिकतर समय ऑस्ट्रिया के रेड बुल एरेना में बिताया।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने में नाकाम रहे भारत के स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू होने वाले आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगे। सिंधू और सेन का ओलंपिक के बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा। इन दोनों ने इस बीच अपने खेल का मूल्यांकन करने और उसमें आवश्यक सुधार करने पर ध्यान दिया। सिंधू ने इस बीच अपने पिछले कोच इंडोनेशिया के एगस ड्वी सैंटोसो से नाता तोड़कर भारत के अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल को अपने नए कोच के रूप में नियुक्त किया। दूसरी तरफ सेन ने अपनी फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने इस दौरान अपना अधिकतर समय ऑस्ट्रिया के रेड बुल एरेना में बिताया। आर्कटिक ओपन में सिंधू का पहला मुकाबला कनाडा की मिशेल ली से जबकि ओलंपिक में कांस्य पदक के मुकाबले में हारने वाले सेन का डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू अगर पहली बाधा पर कर लेती हैं तो अगले दौर में उनका सामना 2022 की जूनियर विश्व चैंपियन 18 वर्षीय जापानी खिलाड़ी टोमाको मियाज़ाकी से हो सकता है जिससे वह इस साल की शुरुआत में स्विस ओपन में हार गई थी।

मयंक यादव 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से क्यों नहीं कर पाए गेंदबाजी, आकाश चोपड़ा ने बताया कारण

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के नए स्पीड स्टार मयंक यादव ने ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट करियर का आगाज किया। इस मैच में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उनकी एक भी गेंद 150 की स्पीड को पार नहीं कर पाई। इस मैच के बाद खुद मयंक ने भी कहा था कि वो अपनी स्पीड की बजाए अपनी लाइन व लेंथ पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। वहीं मयंक इस मैच में 150 की स्पीड की रफ्तार से आगे क्यों नहीं जा पाए इसके बारे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया।

मयंक ने क्यों 150 की स्पीड से नहीं की गेंदबाजी - आकाश चोपड़ा का मानना है कि युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे नहीं बढ़ना चाहते थे क्योंकि वह चोट से उबरकर वापसी कर रहे थे। आईपीएल 2024 सीजन के दौरान अपनी तेज रफ्तार से प्रभावित करने वाले मयंक पिछले 4 महीनों से चोट के कारण बाहर थे और इस दौरान उन्होंने कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट भी नहीं खेला। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज को इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सीधे भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया। मयंक ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत शानदार अंदाज में की और उनका पहला ओवर मेडन रहा था। इसके बाद वे एक विकेट लेने में सफल रहे और अपने 4 ओवरों में 21 रन देकर 1 विकेट लिया जिससे भारत आराम से मैच जीत गया। हालांकि हर कोई इस तेज गेंदबाज को लगातार 150 से ऊपर की गति से गेंदबाजी करते हुए देखना चाहता था, लेकिन उन्होंने खुद पर ज्यादा जोर नहीं डालने का फैसला किया था और उनकी सबसे तेज गेंद 149 के करीब रही। अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए, चोपड़ा ने कहा कि मयंक क्रिकेट में वापसी करने पर अपने शरीर पर ध्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मयंक यादव ने अपना पहला ओवर मेडन फेंका ड्ड मयंक 'गतिमान' यादव। उन्होंने चार महीने से क्रिकेट नहीं खेला था। वे चोट के बाद वापस आ रहे थे अपने पहले इंटरनेशनल मैच में वो थोड़े नर्वस भी थे। हालांकि उन्होंने अच्छी शुरुआत की और सीधी लाइन में गेंदबाजी करने की कोशिश की। वह 150-160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचने की कोशिश नहीं कर रहे थे, क्योंकि उनका ध्यान शरीर पर ज्यादा था। इसमें कोई शक नहीं है कि इस गेंदबाज के पास काफी गति है। उन्हें पूरी तरह से लय में आने में थोड़ा समय लगेगा और मुझे उम्मीद है कि टीम इंडिया उन्हें मौका देगी।

पार्थिव पटेल ने बताई एबी डिविलियर्स की क्या थी कमजोरी

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। अपने करियर के दौरान हर गेंदबाज डिविलियर्स से खौफ खाता है। वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 31 गेंदों पर शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम ही है। वह वनडे में 9 बार 75 या उससे कम गेंदों पर शतक लगा चुके हैं। आईपीएल में भी उन्होंने आरसीबी के लिए कई यागदार पारियां खेली हैं। इस बीच पार्थिव पटेल से डिविलियर्स की कमजोरी पूछी गई।

क्या है एबी डिविलियर्स की कमजोरी - आईपीएल में भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल एबी डिविलियर्स के साथ काफी खेले हैं। पार्थिव से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि वानखेड़े स्टेडियम जैसी आसान विकट हो तो डिविलियर्स की कोई कमजोरी है। इसके जवाब में पार्थिव ने हाथ हिलाकर मना करते हुए कहा, कोई तरीका नहीं है, खाली उसके बोल सकते हैं कि फाइनल मैच या नॉकआउट मैच है। तो फिर कुछ हो सकता है।

साउथ अफ्रीका का चोक करने का इतिहास - एबी डिविलियर्स ही नहीं बल्कि साउथ अफ्रीका की पूरी टीम का इतिहास चोक करने का रहा है। नॉकआउट या फाइनल जैसे मैच में टीम लगभग फेल ही रहती है। डिविलियर्स ने दो बार आईपीएल का फाइनल खेला है। 2011 में उन्होंने 12 गेंद पर 18 रन बनाए थे तो 2016 में 6 गेंद पर सिर्फ 5 रन बना सके। दोनों मैचों में आरसीबी को हार मिली थी। अपने इंटरनेशनल करियर में डिविलियर्स एक बार भी आईसीसी इवेंट का फाइनल नहीं खेल पाए।

ss नॉकआउट मैच में गिर जाता है औसत - एबी डिविलियर्स ने अपने इंटरनेशनल करियर में 48 की औसत से रन बनाए हैं। नॉकआउट मैच की बात करें तो उन्होंने करियर में 9 नॉकआउट मैच में हिस्सा लिया है। टी20 के दो नॉकआउट मैच में 5.5 की औसत से उन्होंने 11 रन बनाए हैं। ओवरऑल 9 नॉकआउट मैच में उनका औसत 38 का है।

कहां से आया ओके

जब कोई तुम्हारा हाल पूछता है तो तुम बड़े आराम से आई एम 'ओके' कह देते हो। पर यह छोटा सा 'ओके' कितने ही अर्थों को अपने में समेटे है। सुस्त अंदाज में कहने पर इसी 'ओके' का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए अगर तुम सुस्त अंदाज में वेदर इज 'ओके' कहते हो तो लगता है, हां ठीक ही है, पर उतना बेहतर नहीं। यही जब स्कूल में टीचर के समझाने के बाद तुम 'ओके' कहते हो, तब इसका मतलब होता है, आपने जो कहा वो मैं समझ गया। क्लास में मैडम कुछ समझाने के बाद कहती हैं, इस तरह से सॉल्व करना इस प्रश्न को, 'ओके'? यहां 'ओके' का मतलब-इसका मतलब समझ गए न...बन जाता है। दो शब्द का छोटा सा 'ओके' और मतलब अनेक। कहां से आया यह 'ओके'...चलो हम तुम्हें बताते हैं- वैसे तो इस शब्द के बनने के पीछे कई कहानियां हैं। उनमें से एक यह भी है कि करीब 150 साल पहले इस शब्द की गलत स्पेलिंग ने ही इसे जन्म दिया। एक तो बड़ी मजेदार कहानी इस शब्द से जुड़ी है- रेलवे का एक स्टाफ ओबिदा केली सारे डॉक्यूमेंट जांचने के बाद अपने नाम के शुरुआती अक्षर यानी 'ओके' लिखता था। कुछ लोगों का मानना है कि 'ओके' की शुरुआत यहीं से हुई। पर वर्ष 1839 को 'ओके' की उत्पत्ति का साल माना जाता है। 23 मार्च 1839 में पहली बार अमेरिकी अखबार में 'ओके' को प्रकाशित किया गया था। इसका मतलब था ऑल करेक्ट। उस वक्त शिक्षित लोगों में शब्दों की गलत स्पेलिंग लिखने का फैशन था और उन्होंने 'ए' से शुरू होने वाले 'ऑल करेक्ट' को 'ओ' से शुरू होने वाला 'ओल करेक्ट' बना दिया। इसके बाद एक दिन इसे छोटा कर बॉस्टन मॉर्निंग पोस्ट नामक अखबार ने 'ओके' कर दिया। तब से लेकर आज तक हम सब 'ओके' ही बोलते आए हैं।

परियों से भेंट

एक बार विजयनगर के राज दरबार में एक यात्री राजा कृष्णदेव राय से मिलने के लिए आया। पहरेदारों ने राजा को उसके आने की सूचना दी। राजा ने यात्री को उनसे मिलने की आज्ञा दे दी। यात्री बहुत ही लम्बा और पतला था। उसका सारा शरीर नीला था। वह राजा के सामने सीधा खडम होकर बोला, 'महाराज, मैं नीलदेश का नीलकेतु हूं और इस समय विश्व भ्रमण पर निकला हुआ हूं। अनेक देशों की यात्रा करते हुए मैं यहां पहुंचा हूं। घूमते हुए मैंने अनेक देशों में विजयनगर और आपके न्यायपूर्ण शासन व उदार स्वभाव के बारे मैं बहुत कुछ सुना। इसलिए मेरे मन में विजयनगर और आपको देखने व जानने की उत्सुकता और भी बढ़ गई। यही वजह है कि मैं आपसे मिलने और विजयनगर साम्राज्य को देखने की इच्छा से यहां आया हूं।'

राजा ने यात्री का स्वागत किया और उसे शाही अतिथि घोषित किया। राजा से मिले आदर-सत्कार से गद्गद् होकर यात्री बोला, 'महाराज, मैं उस स्थान के विषय में जानता हूं, जहां परियां रहती हैं। मैं आपके सामने अपनी जादुई शक्ति से उन्हें बुला सकता हूं।'

यह सुनकर राजा बहुत उत्सुक हो गए और बोले, 'इसके लिए मुझे क्या करना होगा, नीलकेतु?' 'महाराज, इसके लिए आपको नगर के बाहर स्थित तालाब के किनारे आधी रात के समय अकेले ही आना होगा। तब मैं वहां परियों को नृत्य के लिए बुला सकता हूं।' नीलकेतु ने उत्तर दिया।

राजा उसकी बात मान गए। उसी रात राजा अपने घोड़े पर सवार होकर तालाब की ओर चल दिए। वहां पुराने किले से घिरा हुआ एक बहुत बड़ा तालाब था।

राजा के वहां पहुंचने पर नीलकेतु पुराने किले से बाहर निकला और बोला, 'स्वागत है महाराज, आपका स्वागत है। मैंने सारी व्यवस्था कर दी है और पहले से ही परियों को यहां बुला लिया है। वे सभी किले के अन्दर हैं और जल्द ही आपके लिए नृत्य करेंगी।'

यह सुनकर राजा चकित हो गए। उन्होंने कहा था कि मेरी उपस्थिति में परियों को बुलाओगे? 'यदि महाराज की यही इच्छा है तो मैं फिर से कुछ परियों को बुला दूंगा। अब अन्दर चला जाए।' नीलकेतु बोला। राजा, नीलकेतु के साथ जाने के लिए घोड़े से उतर गए। और जैसे ही वह आगे बढ़े तो उन्होंने ताली की आवाज सुनी। जल्द ही विजयनगर की सेना ने नीलकेतु को पकड़कर बेड़ियों से बांध दिया। 'यह सब क्या है और यह हो क्या रहा है?' राजा ने पूछा।

तभी तेनालीराम पेड़ के पीछे से निकला और बोला, 'महाराज, मैं आपको बताता हूं कि यह सब क्या हो रहा है? यह नीलकेतु हमारे पड़ोसी देश का रक्षा मंत्री है। किले के अन्दर कोई परी नहीं है। वास्तव में, इसके देश के सिपाही ही वहां परियों के रूप में छिपे हुए हैं। अपने नकली परों में उन्होंने हथियार छिपाए हुए हैं। ये सब आपको घेरकर मारने की योजना है।'

'तेनालीराम, एक बार फिर मेरे प्राणों की रक्षा के लिए तुम्हें धन्यवाद। परन्तु, यह बतओ कि तुम्हें यह सब पता कैसे चला?' राजा बोले।

तेनाली राम ने उत्तर दिया, 'महाराज जब यह नीलकेतु दरबार में आया था, तो इसने अपने शरीर को नीले रंग से रंगा हुआ था। परन्तु यह जानकर कि विजयनगर का दरबार बुद्धिमान दरबारियों से भरा हुआ है, यह घबरा गया तथा पसीने-पसीने हो गया। पसीने के कारण इसके शरीर के कई अंगों पर से नीला रंग हट गया तथा इसके शरीर का वास्तविक रंग दिखाई देने लगा। मैंने अपने सेवकों को इसका पीछा करने के लिए कहा। उन्होंने पाया कि ये सब यहां आपको मारने की योजना बना रहे हैं।'

राजा, तेनालीराम की सतर्कता से बहुत प्रभावित हुए और उसे पुनः धन्यवाद दिया।

दर्द भी दूर भगाते हैं कार्टून

दोस्तों, टॉम एंड जेरी, बेन 10, डॉरेमॉन, छोटा भीम, इनमें से कौन-सा कार्टून कैरेक्टर तुम्हें सबसे ज्यादा पसंद है? डिसाइड नहीं कर पा रहे हो ना! सवाल मुश्किल भरा तो है। अपना खाली समय तो तुम अपने इन्हीं फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के साथ फैंटेसी की दुनिया में बिताते हो। पर क्या तुम्हें मालूम है कि तुमको और तुम्हारे दोस्तों को कार्टूनों के साथ दोस्ती करना पसंद क्यों है? दरअसल, बच्चों को अनोखी चीजें और फैंटेसी अच्छी लगती है। पहले तो दादा-दादी और नाना-नानी अपनी कहानियों के साथ तुम्हें फैंटेसी की इस दुनिया में ले जाते थे। पर अब तो उनसे तुम सिर्फ छुट्टियों में मिलते होंगे और इसलिए फैंटेसी की दुनिया में अपने इन कार्टून दोस्तों के साथ चले जाते हो। वैसे कार्टूनों से तुम्हारे बढ़ते प्यार का एक और कारण भी है। पापा-मम्मी का ज्यादा समय ऑफिस में बीत जाता है और कॉलोनी के दोस्तों के साथ जाकर खेलने की परमिशन भी हमेशा नहीं मिल पाती, ऐसे में कार्टून फ्रेंड के साथ तुम्हारी दोस्ती धीरे-धीरे और गहरी हो गई है।

वैसे एक कमाल की बात जानते हो? एक नए रिसर्च के अनुसार, जो बच्चे ज्यादा समय तक टीवी पर कार्टून देखते हैं, उन्हें किसी भी तरह के शारीरिक कष्ट का अनुभव नहीं होता है। उदाहरण के लिए अगर कोई बच्चा कार्टून देख रहा है और उस समय उसे कोई चीज चुभ गई है, तो इस बात की काफी संभावना है कि काफी देर तक उसे दर्द का एहसास ही नहीं होगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ सिएना के शोधकर्ताओं ने अपने रिसर्च में पाया है कि कार्टून देख रहे बच्चों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि डॉक्टर ब्लड टेस्ट के लिए उनके शरीर से सैंपल ले रहे हैं। न वो चीखे-चिल्लाए और न ही कोई प्रतिक्रिया दी। इसके विपरीत जो बच्चे टीवी नहीं देख रहे थे, वे ब्लड सैंपल देने के समय काफी चीख रहे थे और उनकी मां भी उन्हें कंट्रोल नहीं कर पा रही थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, बच्चों की इस प्रतिक्रिया के पीछे मुख्य वजह यह हो सकती है कि टीवी पर कार्टून देखते और ब्लड सैंपल देते हुए बच्चों के शरीर से एंडॉरफिन्स नाम का कैमिकल निकलता है। यह कैमिकल उस समय निकलता है, जब हम कुछ ऐसा काम करते हैं, जिससे हमें खुशी मिलती है। एंडॉरफिन्स नाम का यह कैमिकल पेनकिलर की तरह काम करता है। है न यह मजेदार बात! यानी तुम्हारा मनोरंजन करने के साथ तुम्हारे ये कार्टून दोस्त तुम्हारे दर्द को भी दूर भगाते हैं।

पर हां एक बात का हमेशा ध्यान रखना। कभी भी रीयल लाइफ में अपने दोस्तों की नकल करने की कोशिश मत करना। तुम्हारे ये दोस्त तुम्हारे मनोरंजन के लिए हैं और इनकी नकल करते हुए कभी भी किसी को नुकसान मत पहुंचा देना।

वरुण धवन की बेबी जॉन में इस किरदार में नजर आएंगे सलमान खान

वरुण धवन की एक्शन फिल्म बेबी जॉन इस साल की सबसे ज्यादा प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अभिनेता को जबर्दस्त एक्शन सीन्स करते हुए देखा जाएगा। हाल ही में खबर आई थी कि सुपरस्टार सलमान खान कलीज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में भी नजर आएंगे। सलमान बेबी जॉन में कैमियो रोल में नजर आएंगे। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए काफी अहम होगा। वहीं, अब सलमान की भूमिका के बारे में नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान बेबी जॉन में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह भूमिका मूल रूप से तमिल फिल्म थेरी में प्रभु ने निभाई थी। कहा जा रहा है कि सलमान खान की पुलिस वाली भूमिका काफी शानदार होगी, जिसके लिए अब प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

सलमान अपनी एक्शन भूमिकाओं और स्वैग के लिए जाने जाते हैं, इसलिए एटली और कलीज ने सुपरस्टार के साथ कुछ लड़ाई के दृश्य जोड़े हैं। उन्हें कुछ मजाकिया संवादों के साथ एक साहसी पुलिस अधिकारी के रूप में देखा जाएगा। बताया जाता है कि सलमान का किरदार वरुण के किरदार के गुरु के रूप में देखा जाएगा। वह उस पर भरोसा जताएंगे और उसे पुलिस अधिकारी के रूप में वापस लाएंगे। बेबी जॉन वरुण के किरदार के इर्द-गिर्द है। वरुण का किरदार एक पुलिस अधिकारी है, जो एक व्यक्तिगत समस्याओं का सामना करने के बाद पुलिस बल छोड़ देता है, जबकि वह अपनी बेटी को सुरक्षित वातावरण में पालने के लिए छिप जाता है, लेकिन फिर वह अपने उग्र स्वभाव में वापस आ जाता है, जब उसकी बेटी की सुरक्षा को खतरा होता है। सलमान के कैमियो के बारे में और अधिक जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान सप्ताहांत में अपने परिचय दृश्य और कुछ एक्शन सेट की शूटिंग करेंगे। दावा किया जा रहा है कि कलीस और लेखक सुमित अरोड़ा यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं कि उनका कैमियो उनके प्रशंसकों के लिए एक ट्रीट होगा। एटली, ज्योति देशपांडे और मुराद खेतानी द्वारा निर्मित बेबी जॉन 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

लंबे ब्रेक के बाद छोरी 2 में नजर आएंगी सोहा अली खान

पटौदी खानदान की छोटी बेटी और अभिनेत्री सोहा अली खान आज यानी 4 अक्तूबर को अपना जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस सोहा अली खान एक रॉयल फैमिली से आती हैं। सोहा को उनके परिवार और रिश्तेदारों के अलावा उनकी फिल्मों से भी जाना जाता है। सोहा का जन्म 4 अक्तूबर 1978 को नई दिल्ली में पटौदी में हुआ था। सोहा क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की बेटी हैं।

सोहा को बड़े पर्दे पर इन फिल्मों से मिली पहचान

सोहा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2004 से फिल्म दिल मांगे मोर से की थी। इस फिल्म में वे शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आई थीं। इसके बाद सोहा को रंग दे बसंती, बंगाली फिल्म रंग दे महल खोया खोया चांद, शादी नंबर 1, आहिस्ता आहिस्ता, मुंबई मेरी जान, दिल कबड्डी, ढूंढ़ते रह जाओगे, तुम मिले, साउंडट्रैक, साहेब बीवी और गैंगस्टर, घायल वन्स अगेन में देखा गया था।

परिवार के साथ समय बिताना करती हैं पसंद

सोहा अली खान ने क्टर कुणाल खेमू के साथ शादी की थी। सोहा अपनी पर्सनल लाइफ में काफी खुश हैं. सोहा और कुणाल की एक बेटी इनाया भी है। सोहा को सोशल मीडिया पर अक्सर अपने परिवार के साथ तस्वीरें साझा करती हैं। सोहा अपने भाई सैफ अली खान और भाभी करीना कपूर के साथ काफी अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं। सोहा काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोहा इन दिनों छोरी 2 की शूटिंग कर रही हैं।

सिटाडेल 2 में अपने किरदार पर प्रियंका ने किया खुलासा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों चर्चित सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन की तैयारियों में जुटी हैं। इस जासूसी एक्शन सीरीज का पहला सीजन काफी चर्चित रहा, जिसमें प्रियंका चोपड़ा नादिया की भूमिका में नजर आईं। अब दूसरे सीजन की शूटिंग वे शुरू कर चुकी हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर उन्होंने सेट से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों के जरिए उन्होंने अपने किरदार में आए बदलाव का भी जिक्र किया है।

सीरीज के सेट से साझा कीं झलकियां

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से ढेर सारी तस्वीरें साझा की हैं। कुछ में वे शूटिंग करती नजर आ रही हैं, तो कुछ में अपने किरदार से फैंस को रूबरू करा रही हैं। इसके अलावा कुछ तस्वीरों और वीडियो में अभिनेत्री अपनी बेटी मालती मैरी के साथ क्वालिटी वक्त बिताती नजर आ रही हैं। पहली दो तस्वीरों में सीरीज से अपने किरदार नादिया के बारे में बताते हुए लिखा है, इस बार नादिया थोड़ी अलग नजर आएगी। प्रियंका चोपड़ा ने इसके अलावा कुछ और तस्वीरें भी साझा की हैं। अपने इस पोस्ट में प्रियंका ने अपनी सासू मां डेनिस जोनास को भी टैग किया है। प्रियंका चोपड़ा की तस्वीरें देख फैंस तारीफ कर रहे हैं। वहीं, सिटाडेल के दूसरे सीजन के प्रति दिलचस्पी दिखा रहे हैं। बता दें कि पहला सीजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ। सिटाडेल के हिंदी संस्करण सिटाडेल हनी बनी को इस साल नवंबर में रिलीज किया जाना है। इसमें वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु लीड रोल में हैं।

फिल्म कर्ण हिंदी डेब्यू के लिए तैयार सूर्या

तमिल स्टार सूर्या और प्रशंसित फिल्म निर्माता राकेश ओमप्रकाश मेहरा की मूवी कर्ण निस्संदेह सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर समय-समय पर रिपोर्ट सामने आती रहती हैं, लेकिन फिल्म का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। इससे फिल्म के बंद होने की अफवाहें और भी तेज हो गई हैं। हालांकि, निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने हाल ही में इसे लेकर बड़ी जानकारी दी है, जिससे प्रशंसक गदगद हो उठे हैं। निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने हाल ही में पुष्टि की कि फिल्म पर 100 प्रतिशत काम चल रहा है। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान, निर्देशक से पूछा गया कि क्या सूर्या के साथ फिल्म बन रही है या इसे बंद कर दिया गया है। इस पर, निर्देशक ने कहा योजनाएं 100 प्रतिशत चल रही हैं। कर्ण सूर्या की हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पहली फिल्म होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्ण के लिए सूर्या और जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिकाओं में लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में सूर्या महाकाव्य महाभारत के बहादुर योद्धा राजकुमार और पांडवों के बड़े सौतेले भाई कर्ण की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की धड़क 2 की रिलीज में हुई देरी? आगे खिसकी फिल्म की रिलीज डेट!

फिल्म निर्माता और निर्माता करण जौहर ने इस साल मई में धड़क 2 के बारे में आधिकारिक घोषणा की थी। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत यह फिल्म 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि यह फिल्म तय समय पर रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म धड़क 2 तय तारीख को रिलीज नहीं हो सकती है। निर्माताओं ने कथित तौर पर धड़क 2 की रिलीज को स्थगित कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि फिल्म में देरी के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। हालांकि, मुख्य कारण यह है कि धड़क 2 के कुछ हिस्सों की शूटिंग बाकी है। साथ ही पोस्ट-प्रोडक्शन टीम में फेरबदल किया गया है और इस वजह से भी फिल्म की रिलीज में देरी हो रही है। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की धड़क 2 कथित तौर पर 2025 की पहली तिमाही में बड़े पर्दे पर आएगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ गाने और कुछ पैचवर्क अभी फिल्माए जाने बाकी हैं। निर्माता अब 2025 की पहली तिमाही में रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, धड़क 2 तमिल फिल्म परियेरम पेरुमल की आधिकारिक रीमेक है।

सोशल मीडिया पर यह भी दावा किया जा रहा है कि सिद्धांत की युद्रा की बॉक्स ऑफिस पर असफलता के कारण भी धड़क 2 की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। कहा गया कि निर्माता युद्रा के बॉक्स ऑफिस पर होने वाले प्रदर्शन को लेकर चिंतित थे, क्योंकि यह सिद्धांत की पहली सोलो थिएट्रिकल रिलीज थी। इसके निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम ने दोनों फिल्मों के बीच काफी अंतर रखना उचित समझा। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित धड़क 2 को धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियो और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म को शाजिया, राहुल बडवेलकर और मारी सेल्वराज ने लिखा है। इससे पहले सोशल मीडिया पर धड़क 2 की घोषणा करते हुए सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, एक राजा एक रानी, एक कहानी - 2 धड़कनें 7 धड़क 2 सिनेमाघरों में 22 नवंबर 2024 को।

बिग बॉस 18 में धमाल मचाने आ रहे शोएब इब्राहिम

शोएब इब्राहिम एक प्रतिभाशाली भारतीय अभिनेता हैं, जो अपने करियर में कई सफल धारावाहिकों में काम कर चुके हैं। अब वे बिग बॉस 18 में अपने सफर को आगे बढ़ा रहे हैं। सलमान खाने के शो में अभिनेता के शामिल होने पर प्रशंसक भी काफी खुश हैं। अब वे बिग बॉस 18 में अपनी होशियारी और चतुरता के साथ खेल खेलेंगे। अब देखना ये होगा कि वे इस शो में अपने सफर को कितना आगे लेकर जाते हैं।

शोएब इब्राहिम का जन्म 20 जून 1987 में भोपाल में हुआ था। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद शोएब अभिनय की ओर आकर्षित हुए और इसमें अपना करियर बनाने के बारे में सोचा। इब्राहिम ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2009 में इमेजिन टीवी के रहना है तेरी पलकों की छांव में में करण प्रतापसिंह के रूप में की थी, लेकिन उन्हें खास पहचान ससुराल सिमर का टीवी शो से मिली थी। 2011 में शोएब इब्राहिम को कलर्स टीवी पर ससुराल सिमर का में प्रेम भारद्वाज के रूप में मुख्य भूमिका में देखा गया था। इस शो की वजह से उन्हें इंडस्ट्री में खूब पहचान मिली। 2013 में, उन्होंने शो छोड़ दिया और फिर उनकी जगह धीरज धूपर ने ले ली। अभिनय से तीन साल के लंबे ब्रेक के बाद 2017 में शोएब इब्राहिम ने अपनी टीवी यात्रा फिर से शुरू की और स्टार प्लस के माध्यम से स्फीयर ओरिजिन्स के प्रोडक्शन कोई लौट के आया है में सुरभि ज्योति के साथ अभिमन्यु और आदित्य सिंह राठौर की दोहरी भूमिकाएं निभाई। ससुराल सिमर का ने शोएब को सिर्फ इंडस्ट्री में पहचान ही नहीं दिलाई, बल्कि उन्हें इस शो के जरिए जिंदगी की जीवन साथी यानी दीपिका कक्कड़ का साथ भी मिला। 2017 में उन्होंने अपनी पत्नी दीपिका कक्कड़ के साथ स्टार प्लस पर डांस रियलिटी शो नच बलिए 8 में भाग लिया। मार्च 2018 में उन्होंने बॉक्स क्रिकेट लीग 3 में भाग लिया। उन्हें फिर टीवी शो जीत गई तो पिया मोरे में देखा गया, जहां उन्होंने यशा रूघानी के साथ वरुण बब्बर की भूमिका निभाई। 2018 से 2019 तक शोएब ने कलर्स टीवी पर इश्क में मरजावां में अभिमन्यु के रूप में अभिनय किया। जनवरी 2019 में उन्होंने फिल्म बटालियन 609 में कामराज मिश्रा के रूप में बॉलीवुड उद्योग में अपनी शुरुआत की। तीन साल के अंतराल के बाद उन्होंने जुलाई 2022 में स्टार भारत के शो अजूनी में राजवीर सिंह बग्गा के रूप में वापसी की।

शोएब इब्राहिम की निजी जिंदगी भी काफी दिलचस्प है। उन्होंने 2018 में लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ से शादी की। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा है और उनका प्यार सोशल मीडिया पर भी देखने को मिलता है। शोएब अपने परिवार को बहुत महत्व देते हैं और अक्सर उनके साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हैं।बिग बॉस 18 में शोएब की एंट्री ने दर्शकों के बीच काफी हलचल मचा दी है। उनकी चतुराई, रणनीति और अन्य प्रतिभागियों के साथ उनके इंटरैक्शन को देखने के लिए दर्शक उत्सुक हैं। शोएब ने अपनी जिंदादिली और सकारात्मकता से शो में एक नया रंग भर दिया है। बिग बॉस 18 में उनका सफर दर्शकों के लिए एक प्रेरणा बन सकता है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वे कैसे अपनी पहचान बनाते हैं।

नवाजुद्दीन ने फिल्मों में टिपिकल हीरो के प्रतिनिधित्व को बताया उबाऊ

गैंग्स ऑफ वासेपुर में अपने बड़े ब्रेक के बाद, नवाजुद्दीन सिद्दीकी हिंदी सिनेमा में एक घरेलू नाम बन गए। नवाजुद्दीन ने हाल ही में कहा कि उन्हें फिल्मों में टिपिकल हीरो का प्रतिनिधित्व उबाऊ लगता है। नवाजुद्दीन ने फिल्मों में हीरो की धमाकेदार एंट्री को लेकर कहा, हीरो सबको सेव करेगा और पूरी दुनिया को वही बचा पाएगा और लड़की भी उसको ही प्यार करेगी, चाहें उसके अंदर कोई खासियत हो या ना हो। अभिनेता के अनुसार, फिल्मों में मुख्य नायक क्या कमाता है, क्या करता है ये भी पता नहीं होता। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने करियर की शुरुआत आमिर खान की 1999 की फिल्म सरफरोश में एक छोटी भूमिका के साथ की थी।

नोएडा की बदल जाएगी तस्वीर,खर्च होंगे 3 हजार करोड़ रुपये

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर उत्तर प्रदेश का सबसे प्रमुख शहर है। नोएडा शहर को उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी के नाम से भी जाना जाता है। नोएडा शहर लगातार प्रगति करता रहे इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने व्यापक योजना तैयार की है। यह भी कहा जा सकता है कि नोएडा प्राधिकरण ने विकास कार्य कराने के लिए अपना खजाना खोल दिया है। अगले 1 से डेढ़ वर्ष में नोएडा शहर के विकास कार्यों में 3 हजार 102 करोड़ रूपये की भारी भरकम धनराशि खर्च की जाएगी।

नोएडा के विकास कार्यों में लाई जाएगी तेजी

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. लोकेश एम ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में नोएडा के विकास से जुड़ी जानकारी दी है। नोएडा के सीईओ डा. लोकेश एम ने कहा है कि नोएडा में तेजी के साथ विकास कार्य कराये जा रहे हैं। जल्द ही विकास के कार्यों में और अधिक तेजी लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अगले डेढ़ वर्ष में नोएडा के विकास कार्यों पर 3 हजार 102 करोड़ से भी अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी। नोएडा के सीईओ डा. लोकेश एम ने नोएडा में भविष्य की विकास योजनाओं तथा वर्तमान में चल रही विकास योजनाओं का पूरा खाका पत्रकारों के सामने रखा है।

इस प्रकार आगे बढ़ेगी नोएडा की विकास यात्रा

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने बताया कि नोएडा शहर के सेक्टर-151ए में 5 हजार वर्ग मीटर जमीन पर भव्य गोल्फकोर्स विकसित किया जा रहा है। इस गोल्फ कोर्स के निर्माण पर 140 करोड़ रूपये खर्च होंगे। नोएडा में पहले से ही एक गोल्फ कोर्स है। इस दूसरे गोल्फ कोर्स का निर्माण कार्य वर्ष-2021 से चल रहा है। वर्ष-2025 में यह गोल्फ कोर्स बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नोएडा के सेक्टर-96 में 6 एकड़ जमीन पर नोएडा प्राधिकरण का नया दफ्तर बनाया जा रहा है। इस दफ्तर के निर्माण पर 304 करोड़ रूपये खर्च होंगे। नोएडा प्राधिकरण का यह नया दफ्तर जनवरी-2025 में बनकर तैयार होगा। उन्होंने बताया कि दादरी रोड को जाम से मुक्त करने के लिए भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य चल रहा है। इस एलिवेटेड रोड के निर्माण पर 608 करोड़ रूपये का खर्च आएगा। भंगेल एलिवेटेड रोड जनवरी-2025 में बनकर तैयार हो जाएगा। सीईओ ने बताया कि दिल्ली की सीमा से शुरू होकर महामाया फ्लाईओवर तक चिल्ला एलिवेटेड रोड प्रस्तावित है। इस रोड के निर्माण पर 787 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इस बड़ी परियोजना का निर्माण जल्द ही शुरू कराया जाएगा।

नोएडा में होंगे ढ़ेर सारे काम

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने बताया कि नोएडा में सेक्टर-146 व सेक्टर-147 के बीच हिंडन एप्रोच रोड, नोएडा के सेक्टर-

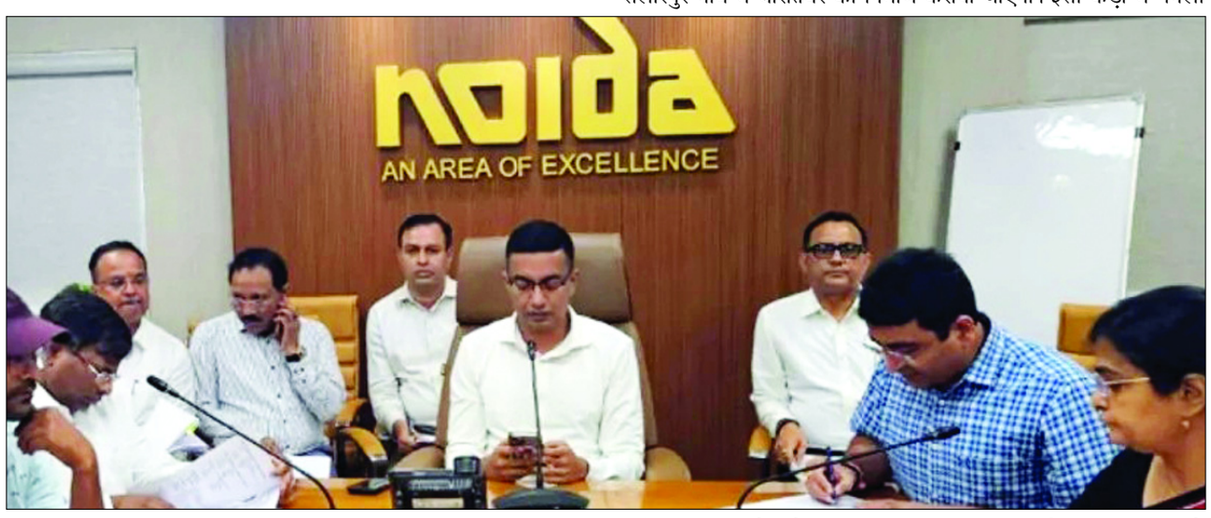

51 तथा सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के बीच स्काई वॉक, सेक्टर-19 के निकट से गुजरते सिंचाई नाले को ढंकने का कार्य, सेक्टर-28, 29 तथा 37 गुजर रहे सिंचाई विभाग के नाले को ढंकने का कार्य, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर दो अंडर पास बनाने का कार्य, सेक्टर-123 में स्पोर्ट कॉम्पलेक्स का निर्माण करने के साथ ही साथ नोएडा शहर में सौंदर्यीकरण के भी ढ़ेर सारे कार्य कराये जाएंगे। सौंदर्यीकरण के कार्यों के तहत नोएडा के उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाया जाएगा। सेक्टर-18 मार्केट, सेक्टर-37 में स्थित गोदावरी मार्केट सेक्टर-110 के मार्केट के सौंदर्यीकरण के काम को मंजूरी दी जा चुकी है। इसी प्रकार सौंदर्यीकरण के और भी तमाम कार्य शहर में कराए जाएंगे।

ग्राम विकास के कार्यों पर फोकस

नोएडा के सीईओ डा. लोकेश एम ने बताया कि नोएडा क्षेत्र के गांवों के विकास के लिए चालू वित्त वर्ष में 113 करोड़ रूपये स्वीकृत हैं। स्वीकृत बजट में से गांव के विकास पर 32 करोड़ रूपये खर्च किए जा चुके हैं। जल्द ही सलारपुर के पास स्थित सिंचाई नाले पर दो पुल बनाये जाएंगे। साथ ही सलारपुर गांव के पीछे पुश्ता मार्ग की रिफेसिंग कराई जाएगी। सलारपुर गांव में बारातघर का निर्माण कराया जाएगा। इसी कड़ी में नंगली वाजिदपुर गांव में प्ले ग्राउंड बनाया जाएगा। नंगली साखपुर गांव में बालीबॉल ग्राउंड का निर्माण कराया जाएगा। ग्राम सोरखा में बैडमिंटन कोर्ट तथा कुश्ती अखाड़े का निर्माण भी इसी कड़ी में शामिल किया गया है। नोएडा के सीईओ डा. लोकेश एम ने जोर देकर कहा कि सभी निर्माण कार्यों में काम की गुणवत्ता को सर्वोपरि रखा जा रहा है। काम की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

6 इंटीग्रेटेड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने बताया कि प्रस्तावित विकास कार्यों के तहत जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोएडा में 6 इंटीग्रेटेड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना की जाएगी। यह प्लांट सेक्टर-43, 54, 145 तथा 168 में लगाए जाएंगे। इसके अलावा सीएसआर योजना के तहत दो इंटीग्रेटेड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना सेक्टर-119 व सेक्टर-50 में की जाएगी।

वायु प्रदूषण पर रोकथाम लगाएंगे

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम. ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए व्यापक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक नोएडा प्राधिकरण ने पांच एंटी स्मोक गन खरीदी है और उनका उपयोग किया जा रहा है आने वाले दिनों में 10 नई एंटी स्मोक गन खरीदी जाएंगी। इसके अलावा 12 हाइब्रिड स्मोक गन 25 स्प्रिंकल वॉटर टैंकर खरीदे जाएंगे। इसके अलावा 30.97 करोड़ की धनराशि से विभिन्न चौराहों के चौड़ीकरण एवं सड़कों के वाईडनिंग आदि का काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नोएडा में एक नई गौशाला का निर्माण भी सेक्टर-162 में किया जाना प्रस्तावित है। अभी सेक्टर-135 एवं सेक्टर-14 ए में दो गौशाला संचालित है। इसके अलावा नोएडा क्षेत्र के वेट वेस्ट के प्रोसेसिंग के लिए वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित किया जाना भी प्रस्तावित है।

मार्च 2025 तक चलेगी सिटी बस

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने बताया कि पीएम बस सेवा के अंतर्गत नोएडा में 100 सिटी बसों का संचालन होगा। प्रथम चरण में 50 बस मार्च 2025 तक चलना प्रस्तावित है इसके अलावा सिटी बस टर्मिनल के नवनिर्मित भवन को आई ओ आई के माध्यम से कमर्शियल हॉस्पिटैलिटी होटल इत्यादि उपयोग के संबंध में आमंत्रित किया जाएगा।

नोएडा में ट्रैफिक जाम से दिलाएंगे मुक्ति

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने बताया कि नोएडा में ट्रैफिक की समस्या को दूर करने के लिए कई कार्य प्रस्तावित हैं। उन्होंने बताया कि एनएच-24 सेक्टर-62 से मामूरा मार्ग को मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जाना है जिससे ट्रैफिक जाम काम होगा। उन्होंने बताया कि नोएडा शहर में टेंपो टैक्सी स्टैंड का निर्माण एनएच-19 एवं सेक्टर-62 एवं 63 के मध्य मार्ग पर एलिवेटेड सहित एफओबी का निर्माण पैदल यात्रियों के लिए पृथक लेने व कुछ स्थानों पर बैठने के लिए बेंच एवं सौंदर्य करण का काम इसके अलावा सेक्टर-18 में पजल पार्किंग बनाई जाएगी। यह पजल पार्किंग सेक्टर-6 एवं सेक्टर-62 में भी बनाई जाएगी।

एमएसएमई कार्निवल का आयोजन 21 अक्टूबर से

नोएडा (चेतना मंच)। एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल इंडिया द्वारा एमएसएमई कार्निवल 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक सोलेट्रियन मॉल, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि कार्निवल में युवा उद्यमियों के लिए ग्रुप डिस्कशन और प्रतिस्पर्धा का आयोजन होगा, जिसमें हर दिन बेहतरीन विचार प्रस्तुत करने वाले को एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल इंडिया द्वारा 5 लाख तक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

कार्निवल में प्रमुख बॉलीवुड और इंस्टाग्राम कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया है, जिनमें विशाल मिश्रा (21 अक्टूबर), कनिका कपूर (23 अक्टूबर), मोनाली ठाकुर (24 अक्टूबर), पवन सिंह (26 अक्टूबर), और बादशाह (25 अक्टूबर) जैसे कलाकार शामिल होंगे। इसके अलावा, नेहा कक्कड़ और अन्य नामी कलाकारों की भी प्रस्तुति होगी, जो इस कार्यक्रम को और भी रोचक बनाएंगे।

कार्यक्रम में फैशन शो, सांस्कृतिक प्रदर्शन, और स्थानीय हस्तशिल्प की प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। साथ ही, बैलून फिएस्टा, नाइट ग्लो शो, एडवेंचर गतिविधियाँ और सांस्कृतिक उत्सव जैसे कार्यक्रम कार्निवल को खास बनाएंगे।

महिलाओं की समस्याओं को लेकर डीएम से मिली उप्र महिला आयोग सदस्य

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की नवनिर्वाचित सदस्या डॉ. हिमानी अग्रवाल ने जिलाधिकारी से शिष्टाचार भेंट की।

उप्र राज्य महिला आयोग की नवनिर्वाचित सदस्या डॉक्टर हिमानी अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पहुंचकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से शिष्टाचार भेंट की। राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा डॉक्टर हिमानी अग्रवाल को महिलाओं से संबंधित समस्याओं की जनसुनवाई के लिए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष द्वारा मेरठ, गौतमबुद्धनगर और बुलंदशहर जिला आवंटित किया गया है।

सीईओ ने किया प्राधिकरण के प्रशासनिक भवन का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम. ने सेक्टर-96 में निर्माणाधीन प्रशासनिक भवन की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने भवन के निर्माण की गति और गुणवत्ता को लेकर असंतोष व्यक्त किया। सीईओ ने कार्य की गुणवत्ता को सुधारने के लिए ठेकेदार को कड़े निर्देश दिए और भवन के निर्माण कार्य की समीक्षा की। इस निरीक्षण में सीईओ के साथ एसीईओ, विशेष कार्याधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

नोएडा प्राधिकरण डॉ.सीईओ लोकेश एम ने बताया कि प्रशासनिक भवन का निर्माण चार भागों में विभाजित किया गया है, ताकि प्रत्येक भाग की निगरानी सही तरीके से की जा सके। इसके लिए अलग-अलग जिम्मेदारियों का आवंटन किया गया है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारियों को प्रत्येक भाग की निगरानी करने के लिए नियुक्त किया गया है, ताकि वे वहां की सुविधाओं जैसे बिजली, पानी और अन्य मूलभूत कार्यों का सूक्ष्मता से परीक्षण कर सकें।

सीईओ ने अधिकारियों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि कार्य समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा हो। साथ ही, इन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे भवन के निर्माण के संबंध में अपनी संस्तुति और फीडबैक भी सीईओ को प्रेषित करें। निर्धारित मानकों का ध्यान रखते हुए कार्य में किसी भी कमी की स्थिति में संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सीईओ ने निर्माण कार्य की प्रगति की गति को तेज करने पर भी जोर दिया।

केवट प्रसंग, दशरथ मरण का हुआ जीवंत मंचन

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

नोएडा। नोएडा स्टेडियम में चल रही श्री सनातन धर्म रामलीला में निषादराज, केवट प्रसंग, दशरथ मरण, भरत कैकई, भरत कौशल्या, चित्रकूट पर भरत मिलाप का मंचन किया गया।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के मंच पर राष्ट्रीय संत महामंडलेश्वर हितेश्वर नाथ के द्वारा आरती की गई समिति के सदस्यों ने उनका वस्त्र पहनकर अभिनंदन और स्वागत किया।

कार्यक्रम में टीएन गोविल, टीएन चैरसिया, रमेश कुमार, करण सिंह राणा, चंद्रपाल, चितरंजन, वीरेंद्र मेहता विनीत मेहता नरेंद्र चोपड़ा सुनील गुप्ता व्यापार मंडल एनसीआर के अध्यक्ष, ललित गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, पंकज जिंदल, संजय गोयल, प्रदीप अग्रवाल, मित्रा शर्मा, विपिन बंसल, विनय शर्मा, के.के. बंसल, एम के अग्रवाल, पवन कुमार लोकेश कश्यप पुनीत शुक्ला एस.के.एस. राणा, विवेक गंगवार, राकेश षर्मा, निखिल अग्रवाल, अशोक मिश्रा, अनिल बौन्थरा, पीयूष रस्तोगी, षान सिंह, हरवीर यादव, लक्ष्मी नारायण, राजेश चैरसिया, राकेष अग्रवाल, अंकित मित्तल, अनिल भूशण, सोनू जिंदल, उदय जैन, के.के. दत्ता, विमल अग्रवाल, विनोद गोयल, प्रतीक भारद्वाज, विषाल कश्यप, प्रदीप भारद्वाज, आदेश यादव, विनय मेहता, गिरीश कश्यप आदि काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

सीता स्वयंवर में 55 फीट का धनुष टूटा

श्री रामलीला साइट 4 रामलीला

ग्रेटर नोएडा के साइट-4 में श्री रामलीला कमेटी द्वारा विजय महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। आज के कार्यक्रम की लीला जनकपुरी में सीता स्वयंवर से शुरू हुई।

कमेटी के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह ने बताया कि गणेश वंदना के साथ रामलीला मंचन की शुरुआत हुई। सीता स्वयंवर में जनकपुरी में देश-विदेश से आए राजाओं ने जनक जी की प्रतिज्ञा के अनुसार धनुष को उठाने का प्रयास किया, लेकिन सभी असफल रहे। इसके बाद राजा जनक निराश होकर कटु वचन बोलते हैं, जिससे लक्ष्मण क्रोधित हो जाते हैं। श्री राम उन्हें शांत कराते हैं, और ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा से श्री राम धनुष उठाते हैं, जो उठाते ही टूट जाता है।महासचिव बिजेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि 55 फीट का धनुष 50 फीट की ऊंचाई पर टूटा।

यह दृश्य देखकर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं और रामलीला ग्राउंड 'जय श्री राम' के नारों से गूंज उठा। सीता जी ने श्री राम को जयमाला पहनाई, और इसके बाद बधाई गीत गाए गए। संयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने जानकारी दी कि धनुष टूटने के बाद परशुराम का क्रोधी प्रवेश हुआ, जिसके बाद लक्ष्मण और परशुराम के बीच संवाद हुआ। अंत में श्री राम ने परशुराम को शांत किया। इसके बाद अयोध्या से बारात जनकपुरी आई और चारों भाइयों का विवाह संपन्न हुआ। अयोध्या में चारों ओर खुशी की लहर दौड़ गई, और तीनों रानियों ने बहुओं की आरती उतारकर उनका स्वागत किया।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि कल की लीला में राज्याभिषेक की घोषणा, मंथरा-कैकयी संवाद, श्रवण वध, दशरथ मरण, राम वनवास, गुहूराज से भेंट और राम-केवट संवाद का मंचन किया जाएगा।

राम बारात के बाद राम का विवाह व जानकी की विदाई

श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला

श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के पंचम दिन भगवान श्रीराम की बारात एवं शोभायात्रा सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से एस एम गुप्ता, सुधीर पोरवाल, शांतनु मित्तल,राकेश कुमार, मनोज गोयल, मुकेश गर्ग, एडवोकेट मनोज गुप्ता, बजरंगलाल गुप्ता, संदीप पोरवाल एवं प्रवीण गोयल के संयोजन में बड़े धूमधाम से निकाली गयी। समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा ने नारियल फोड़कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। जो सेक्टर-22-26 के गेट, डीएम चौराहा,टेलीफोन एक्सचेंज सेक्टर-19, हरौला, सेक्टर-5, 9,11,12,22,55,56 होते हुए रामलीला स्थल पहुंची।इस दौरान सेक्टर 20- 26 गेट पर बीना गोयल, सेक्टर 19 शर्मा हॉस्पिटल पर पोरवाल समाज, सेक्टर-9 में ई-1 पर राजीव जैन, एच-1 राजेश गिरधर, आई-9 पर जनता साईकिल, आई-65 पर सुशील सिंघल, आई-67 पर आत्माराम,आई-70 पर मुकेश गर्ग, बांस मंडी, शिवानी फर्नीचर पर राकेश गुप्ता, एच-100 सेक्टर 12 पर राधाकृष्ण गर्ग एवं प्रदीप अग्रवाल, मेट्रो हॉस्पिटल पर सतपाल बंसल, स्टैंडर्ड स्वीट, सुमित्रा हॉस्पिटल पर डॉ वी के गुप्ता, पेट्रोल पंप सेक्टर-12 पर अनिल चौहान, सेक्टर 55- 56 तिराहे पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, सेक्टर-55 में श्यामलाल,श्रीकांत बंसल, बजरंग लाल, बारात घर, खोड़ा लेबर चौक पर मनोज गुप्ता द्वारा विभिन्न स्थानों पर बारात का स्वागत किया गया। सायंकाल श्रीराम बारात सेक्टर-62 स्थित रामलीला स्थल पर पहुंची,जहां राजा जनक ने बारातियों का स्वागत किया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि विधायक विनय वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ लीला का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत चारमंडपों में श्रीराम जानकी सहित चारों भाइयों का विधि विधान से विवाह संपन्न होता है। विवाह के पश्चात राजा जनक से अयोध्या नगरी वापस जाने की आज्ञा माँगने पर राजा जनक की आखों से अश्रु छलक पड़ते हैं। जानकी विदाई का मार्मिक मंचन किया गया। जिसमें जानकी विदाई के समय राजा जनक की हृदयवस्था का मार्मिक मंचन किया गया। राजा दशरथ गुरू वशिष्ठ जी से कहते हैं कि मेरी एक अभिलाषा है कि राम को युवराज पद दे दिया जाये यह सुनकर मुनि वशिष्ठ अति प्रसन्न हुए। राजा ने अपने मंत्री और सेवकों को बुलाकर पूछा अगर आप लोगों को अच्छा लगे तो राम का राजतिलक कर दिया जाये। राम के राज तिलक की बात सुनकर सभी अयोध्यावासी खुशी से झूम उठते हैं और गाते हैं।

धूमधाम से बैंड बाजे के साथ निकली राम बारात

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी

नोएडा (चेतना मंच)। सोमवार को रामलीला के पांचवें दिन श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर-46 में राम बारात लीला मंचन में महाराजा दशरथ जी वह प्रभु राम जी सभी भाइयों के साथ बारात लेकर शहर का भ्रमण कर जनक जी के यहां जाते हैं, यह वर्णन सेक्टर 46 के पूरे सेक्टर में राम बारात निकालने के दौरान देखा गया, इसके बाद नोएडा रोटरी क्लब के सहयोग से डांडिया कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। राम बारात का स्वागत सेक्टर-46 में अशोक गोयल गिरिराज अग्रवाल, राजीव अग्रवाल ,अरुण बागला ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश यादव पूर्व राज्य मंत्री तथा पूर्व विधायक राजस्थान जोगिंदर अवाना मौजूद रहे, इनके द्वारा रामलीला मंचन का शुभारंभ किया गया। दोनों अतिथियों ने रामलीला आयोजको को बधाई दी।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री राकेश यादव ने कहा कि सभी के दिलों में राम बसे हैं, इसलिए रामलीला का मंचन प्रत्येक व्यक्ति दिल से देखना चाहिए है।

इस अवसर पर एडिशनल डीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्रा, वित्त नियंत्रक नोएडा प्राधिकरण स्वतंत्र कुमार गुप्ता, एवं विशिष्ट

अतिथि फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, शरद कुमार सिन्हा, राकेश यादव, सत्येंद्र शर्मा, भीष्म यादव, फिरे सिंह नागर, संजय तनेजा, अवधेश कुमार, विमल अग्रवाल, श्याम सुंदर गोयल, नवीन गुप्ता, विकास जैन, पवन शर्मा आदि मौजूद थे।

इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सीएमडी प्रिया गोल्ड, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिरजा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंघल, कथावाचक कृष्ण स्वामी, गौरव कुमार यादव, बलराज गोयल, आदि आयोजन समिति के लोगों ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही रामलीला देखने आए लोगों का आभार प्रकट किया।